● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 38, अंक 218, पृष्ठ : 08, सीधी, गुरूवार , 17 सितम्बर 2026 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा नगांव लोकसभा उपचुनाव जीतेंगे 5

पाकिस्तानी को पछाड़ दूसरे स्थान पर पहुंचे अभिषेक 6

उभरती तकनीक में शुरुआती लीडर बने भारत

पीएम मोदी बोले- उद्योग और सरकार मिलकर बढ़ाएं कदम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत को उभरती तकनीकों के क्षेत्र में शुरुआती अग्रणी देशों में शामिल होने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसा नीतिगत माहौल देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो स्थिर और जरूरत के मुताबिक तेजी से प्रतिक्रिया देने वाला हो। प्रधानमंत्री ने यहां प्रमुख कंपनियों के सीईओ के साथ सेमीकंडक्टर राउंडटेबल बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने भारत के तकनीकी भविष्य को आकार देने में सरकार और सेमीकंडक्टर उद्योग के बीच करीबी सहयोग को महत्वपूर्ण बताया।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत के पास प्रतिभा, तकनीक को तेजी से अपनाने और बुनियादी ढांचे की मजबूत नींव है। उन्होंने उद्योग जगत से स्किलिंग, इनोवेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उभरती तकनीकों में अधिक सक्रिय भागीदारी की अपील की।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, मोदी ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में हुई प्रगति का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह इकोसिस्टम अब शुरुआती बुनियादी प्रयासों से आगे बढ़कर बड़े स्तर पर विस्तार और नए अवसरों के चरण में पहुंच रहा है। प्रधानमंत्री ने सरकार की नीतियों को लेकर कहा कि एक स्थिर और जवाबदेह नीतिगत माहौल जरूरी है। साथ ही, तकनीक में बदलाव और उद्योग की जरूरतों के अनुसार नीतियों को भी विकसित होना चाहिए। उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं से नीतिगत और प्रशासनिक उपायों को लेकर सुझाव देने को कहा। पीएम मोदी ने भरोसा दिलाया कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र को और मजबूत करने के लिए आगे की नीति बनाने में इन सुझावों पर उचित विचार किया जाएगा।

पीएम ने उद्योग जगत से भारत के सेमीकंडक्टर विकास के अगले चरण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। बैठक में शामिल सीईओ ने भी भारत में सेमीकंडक्टर क्षमता विकसित करने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की।

कंपनियों के प्रमुखों ने मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइन, बुनियादी ढांचे और प्रतिभा विकास के क्षेत्र में हुई प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 के तहत सामने आ रहे अवसरों को लेकर भरोसा जताया।

सीईओ ने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर की पूरी वैल्यू चेन तैयार करने की क्षमता है। इसमें मैन्युफैक्चरिंग, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और इससे जुड़ी सहायक इंडस्ट्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने एआई में एक करोड़ लोगों को प्रशिक्षित करने के लक्ष्य का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत की प्रतिभा और वैश्विक कंपनियों के अनुभव व क्षमताओं के मेल से बड़े अवसर पैदा हो सकते हैं।

बैठक में एसईएमआई, माइक्रोन, इनफिनियन, एप्लाइड मैटेरियल्स, एएसएमएल, मर्क, टोक्यो इलेक्ट्रॉन लिमिटेड, फ़ूजीफ़िल्म, एएमडी, इंटेल, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, लैम रिसर्च, रैपिडस, एनएक्सपी, फ़ॉक्सकॉन, सेमीकंडक्टर डिवाइस, एडवांटेस्ट, सेलेस्टा कैपिटल, सीजी पावर और आईबीएम रिसर्च समेत कई संगठनों के सीईओ, प्रमुख और प्रतिनिधि शामिल हुए।

विरासत को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री इंदौर में सिंधु कला केंद्र के भूमि पूजन कार्यक्रम में हुए वर्चुअली शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंधी समाज का कठिनाईयों से भरा लंबा संघर्ष रहा है। उनकी जीवटता और कर्मठता हर किसी को प्रभावित करती है। उनकी मधुर बोली और स्वभाव सबका दिल जीत लेती है। सिंधी समाज ने विभाजन की विभिषिका झेली है। उन्होंने अपनी जन्म भूमि-घर और व्यापार छोड़ा लेकिन अपने संस्कार के साथ धर्म और हौसला नहीं खोया। प्राचीनतम सिंधु घाटी सभ्यता का इतिहास हम सभी को एक गौरवशाली अतीत से परिचित करवाता है। स्वाभिमान से जीवन जीने के प्रतीक बन चुके सिंधी समाज की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। अनेकों बार चुनौतियों को अवसर में बदलकर अपनी

पहचान और गौरव को संजोए रखने वाले सिंधी समाज पर प्रदेशवासियों को गर्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास से इंदौर में आयोजित सिंधु कला केंद्र के भूमि पूजन कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर में सिंधु कला केंद्र का भव्य और दिव्य भवन बनकर तैयार होगा, जो सिंधी समाज की कला, संस्कृति और विरासत से भविष्य की पीढ़ियों को परिचित कराएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंधी समाज के महापुरुषों की जीवनी जिनमें वीर राजा दाहिर, समाज सुधारक और संत कंवरराम और शहीद हेमू कालानी शामिल हैं, स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल कर राज्य सरकार ने अपना वादा निभाया है।

टैक्स पॉलिसी पर बहस जरूरी : सीतारमण

वित्त मंत्री की व्यापारियों से अपील-अपने बिजनेस से पहले देश के बारे में सोचें

बंगलूरू। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि टैक्स पॉलिसी पर स्वतंत्र रिसर्च को सार्वजनिक चर्चा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि टैक्स प्रोफेशनल्स को क्षेत्रीय-विशेष के हितों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देनी चाहिए। सीतारमण बंगलूरू में इंटरनेशनल टैक्स रिसर्च एंड एनालिसिस फाउंडेशन की ओर से न्यू एज टैक्सेशन (नए दौर की टैक्स व्यवस्था) पर आयोजित आठवें इंटरनेशनल टैक्स कॉन्फ्रेंस में बोल रही थीं।उन्होंने कहा, टैक्स पॉलिसी पर एक समझदारी भरी बहस में सिर्फ किसी खास सेक्टर

या क्षेत्र के हितों से आगे बढ़कर सोचना चाहिए। उन्होंने टैक्स प्रोफेशनल्स से अपील की कि वे सेक्टर-विशेष की सोच से ऊपर उठें और देश को सबसे पहले रखें।

सीतारमण ने कहा कि सरकार ने जान-बूझकर टीडीएस (सोर्स पर टैक्स कटौती) और टीसीएस (सोर्स पर टैक्स वसूली) से जुड़े नियमों को तर्कसंगत बनाया है। इनकी सीमाएं बढ़ाई हैं और अनावश्यक आपराधिक परिणामों को कम किया है। इंटरनेशनल टैक्सेशन के मुद्दे पर वित्त मंत्री ने कहा कि भारत ने मॉरीशस, सिंगापुर और साइप्रस के साथ अपनी टैक्स संधियों पर फिर से बातचीत की, ताकि कैपिटल गेन्स (पूंजीगत लाभ) पर सोर्स पर टैक्स लगाने का अपना अधिकार वापस हासिल किया जा सके।

सीतारमण ने कहा कि विकास और तरक्की की राह में भारत के सामने अपनी चुनौतियां हैं, लेकिन मुश्किल वैश्विक माहौल के बावजूद भारत बेहतर स्थिति में है।

वन की परिभाषा पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली। वन की परिभाषा को लेकर 2023 में किए गए बदलाव पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई का दायरा साफ कर दिया। अदालत ने कहा कि वह फिलहाल 2023 के वन संरक्षण संशोधन कानून में 'वन' की परिभाषा की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाले मामले तक ही सीमित रहेगी। वहीं किसी खास जमीन के वन होने या न होने से जुड़े विवादों की सुनवाई हाईकोर्ट करेंगे। अदालत ने उन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को विशेषज्ञ समिति बनाने का निर्देश भी दिया है, जिन्होंने अभी तक ऐसी समिति गठित नहीं की है।

सुरक्षा कारणों के चलते सीएम विजय का लंदन का कार्यक्रम रद्द

फैंस करते रहे इंतजार, पार्टी ने दी जानकारी

नई दिल्ली। मेट्रोपॉलिटन पुलिस की ओर से भीड़ की सुरक्षा को लेकर चिंता जताए जाने के बाद, लंदन की मशहूर इमारत शार्ड के बाहर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय का सार्वजनिक कार्यक्रम रद्द कर दिया गया।

इस जगह पर सैकड़ों प्रशंसक जमा हुए थे। कई लोग अभिनेता से राजनेता बने विजय को देखने के लिए घंटों से इंतजार कर रहे थे। विजय की टीम ने लाउडस्पीकर पर इवेंट रद्द होने की घोषणा की। इसके साथ ही बताया कि सुरक्षा कारणों से पुलिस की मंजूरी नहीं मिल पाई थी।

मुख्यमंत्री की टीम के एक सदस्य ने कहा, जन सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण, हम कार्यक्रम रद्द कर रहे हैं, क्योंकि सुरक्षा संबंधी चिंताओं के चलते हमें अनुमति नहीं मिली है। कार्यक्रम रद्द होने के कुछ घंटों बाद, टीवीके के आईटी विभाग ने एक्स के बारे में एक सोशल मीडिया पोस्ट में प्रशंसकों से होटल के प्रवेश द्वार पर इंतजार न करने या उनसे मिलने का कोई प्रयास न करने का आग्रह किया।

टीवीके के सूचना एवं प्रसारण विभाग ने कहा, हम तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से मिलने के लिए प्यार और पूरे जोश से भरे हुए हैं। हालांकि, जनता की सुरक्षा और लंदन मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए, एक ऐसी स्थिति बन गई है जिसमें मुख्यमंत्री आपसे नहीं मिल सकते। इसलिए, हम प्यार से अनुरोध करते हैं कि कोई भी उनसे मिलने की कोशिश न करे।

आंगनवाड़ी, प्राथमिक विद्यालयों में स्क्रीनिंग कैम्प लगाए : राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि सिकल सेल की स्क्रीनिंग में बच्चों की जाँच को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालय और आंगनवाड़ी केन्द्रों में कैम्प लगाकर स्क्रीनिंग का कार्य किया जाना चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल बुधवार को लोकभवन में राष्ट्रीय सिकल सेल उन्मूलन 2047 और राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में उपमुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, उच्च शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार भी मौजूद थे।

पन्ना में फिर मिला बेशकीमती हीरा

मझगवां की खदान में मिला मेहनत का फल

पन्ना। मध्यप्रदेश के पन्ना जिले की धरती ने एक बार फिर अपनी बेशकीमती दौलत दुनिया के सामने रखी है।

पन्ना के मझगवां स्थित एनएमडीसी लिमिटेड की हीरा खदान में 15 सितंबर 2026 को 27.29 कैरेट का बहुमूल्य हीरा मिलने से खनन क्षेत्र में खुशी का माहौल है। एनएमडीसी की हीरा खनन परियोजना में मिला यह हीरा अपने आकार और वजन के कारण खास माना जा रहा है। खदान प्रबंधन के अनुसार, इस उपलब्धि के पीछे एनएमडीसी की खनन क्षमता, आधुनिक तकनीकी दक्षता और पूरी टीम के समर्पित प्रयासों की अहम भूमिका है। लगातार किए जा रहे खनन कार्य के दौरान मिले इस बेशकीमती हीरे ने एक बार फिर पन्ना की पहचान को नई चमक दी है। बता दें कि पन्ना लंबे समय से अपने हीरों के लिए देश और दुनिया में जाना जाता है। यहां की धरती से समय-समय पर निकलने वाले बड़े और कीमती हीरे लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे हैं। अब 27.29 कैरेट के इस हीरे के मिलने से एक बार फिर पन्ना की हीरा नगरी के रूप में पहचान चर्चा में आ गई है।

भारतीय युद्धपोत से भिड़ा पाकिस्तानी जहाज

दिल्ली से लेकर इस्लामाबाद तक हलचल, भारत ने पाक राजनियक को किया तलब

नई दिल्ली। अरब सागर में अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र के भीतर भारतीय नौसेना के एक जहाज और पाकिस्तानी नौसेना के पोत की टक्कर के बाद भारत ने पाकिस्तान के प्रभारी राजनयिक को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। भारत के मुताबिक घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन पाकिस्तानी नौसैनिक पोत का आचरण 1991 के भारत-पाकिस्तान समझौते के अनुच्छेद 10 के विपरीत था। भारत ने इस्लामाबाद में भी पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के समक्ष विरोध दर्ज कराने के निर्देश

दिए हैं। विदेश मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तानी प्रभारी राजनयिक को बुधवार को विदेश मंत्रालय में तलब किया गया। उन्हें पाकिस्तानी अधिकारियों तक भारत की कड़ी आपत्ति पहुंचाने को कहा गया। भारत ने स्पष्ट किया कि समुद्र में सभी सैन्य इकाइयों को पूरी सावधानी बरतनी चाहिए और दोनों देशों के बीच लागू संबंधित समझौतों के प्रावधानों का सम्मान करना चाहिए, ताकि इस तरह की घटना दोबारा न हो। विदेश मंत्रालय ने कहा, सीडीए को आज विदेश मंत्रालय में तलब किया गया और समुद्र में पाकिस्तानी नौसैनिक इकाइयों के अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर आचरण को लेकर उनके समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया गया, जिसके कारण भारतीय नौसेना की एक इकाई से टक्कर हुई। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह घटना अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में हुई। हालांकि, टक्कर से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तानी नौसैनिक पोत का आचरण अप्रैल 1991 में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य अभ्यास, युद्धाभ्यास और सैनिकों की आवाजाही के लिए अग्रिम सूचना देने संबंधी समझौते के अनुच्छेद 10 का सीधे तौर पर उल्लंघन था। भारत ने इस मामले को केवल नई दिल्ली तक सीमित नहीं रखा है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस्लामाबाद स्थित भारत के प्रभारी राजनयिक को भी पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के समक्ष इसी तरह का विरोध दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है।

झीरम घाटी नक्सली हमले में 10 दोषियों को फांसी की सजा

29 लोगों की हत्या पर 13 साल बाद आया फैसला

रायपुर। झीरम घाटी हत्याकांड मामले में जगदलपुर की एनआईए कोर्ट ने 10 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। 25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के काफिले पर नक्सली हमला हुआ था। इसमें कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल समेत 29 लोगों की मौत हुई थी। करीब 13 साल चली सुनवाई के दौरान 101 गवाहों के बयान दर्ज किए गए और दस्तावेजों को रिकॉर्ड पर लिया गया। जज ने अपने फैसले में कहा है कि आदेश की पुष्टि हाईकोर्ट करेगा। दोषियों को 30 दिन के अंदर हाईकोर्ट में अपील करने का अधिकार है। अभियोजन पक्ष ने दोषियों के लिए फांसी की सजा की मांग की थी, जबकि बचाव पक्ष ने सजा कम करने की दलील दी थी। प्रमिला मोडियाम, सुमित्रा पुनेम, कोसा कवासी, मुक्का मांडवी, मड़कामी देवा, आयत मरकाम, बजामी सेना, चैतू लेकाम, जोगा मड़कामी, महादेव नागा सभी दोषी अभी केंद्रीय जेल में बंद हैं।

प्रधानमंत्री मोदी को मुख्यमंत्री ने दी जन्मदिन की बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 17 सितम्बर भारतवासियों के प्रिय, लोकप्रिय जननेता, प्रधानमंत्री श्री मोदी का जन्म दिन है। यह अवसर सिर्फ उन्हें शुभकामनाएं देने का ही नहीं है बल्कि यह श्री मोदी द्वारा 25 वर्ष जन सेवा यात्रा को नमन करने का अवसर भी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 25 वर्ष में श्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में अतुलनीय कार्य किया है। इस अवधि में भारत की अर्थव्यवस्था के साथ आत्मविश्वास बदला है।

एमपी में मानसून की आखिरी परीक्षा, 19 सितंबर के बाद बारिश का नया दौर

भोपाल। मध्य प्रदेश में मानसून की विदाई का समय नजदीक आ रहा है, लेकिन बारिश का आंकड़ा अभी सामान्य से पीछे है। ऐसे में सितंबर के आखिरी दौर में सक्रिय होने वाला मौसम तंत्र प्रदेश के लिए अहम रहेगा। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक 19 सितंबर के बाद नया सिस्टम सक्रिय हो सकता है, जिससे प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश बढ़ने की संभावना है। तंत्र मजबूत रहा तो मानसून का सामान्य कोटा पूरा हो सकता है। प्रदेश में मंगलवार तक 33 इंच बारिश दर्ज हो चुकी है, जबकि पूरे मानसून सीजन का सामान्य औसत 37.3 इंच है। यानी सामान्य आंकड़े तक पहुंचने के लिए अब करीब 4.3 इंच बारिश और चाहिए। फिलहाल प्रदेश में सामान्य से करीब 6त्न कम बारिश हुई है। मौसम विशेषज्ञ अरुण शर्मा के अनुसार, 17 से 19 सितंबर के बीच पश्चिमी मध्य प्रदेश में बारिश की गतिविधियां ज्यादा व्यापक हो सकती हैं। वहीं, 18 से 21 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। इसके बाद 19 सितंबर के बाद बनने वाला नया सिस्टम प्रदेश में बारिश का एक और दौर ला सकता है। इसकी ताकत और सक्रियता पर यह निर्भर करेगा कि मानसून के विदा होने से पहले प्रदेश में कितनी बारिश होती है।मंगलवार को पश्चिमी हिस्से में निम्न दाब क्षेत्र सक्रिय रहा।

विकास और सुशासन की राह पर आगे बढ़ रहा देश : राजनाथ

कोलकाता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और उनके लंबे राजनीतिक सफर का जिक्र करते हुए कहा कि इस बार 17 सितंबर का दिन खास और महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 17 सितंबर को अपना जन्मदिन मनाएंगे और इसके करीब 20 दिन बाद, 7 अक्तूबर को सरकार के प्रमुख के रूप में 25 साल पूरे करेंगे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई थी और बाद में प्रधानमंत्री के तौर पर जारी रही। उनके मुताबिक, करीब ढाई दशक के इस सफर ने देश की राजनीति को प्रभावित करने के साथ भारत के विकास को नई दिशा देने और वैश्विक स्तर पर देश की स्थिति मजबूत करने में भी भूमिका निभाई है।

राजनाथ सिंह ने इस दौरान वंदे मातरम् का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पहली बार लाल किले पर 'वंदे मातरम' के सभी छह अंतरे गाए गए। उन्होंने इसे स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार हुआ बताते हुए कहा कि यह पश्चिम बंगाल के लिए भी सम्मान की बात है। दरअसल, 2026 में 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में इसे विशेष रूप से शामिल किया गया था। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर

से पहली बार 'वंदे मातरम' का गायन किया गया।

2026 में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की रचना के 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसी अवसर पर स्वतंत्रता दिवस समारोह की थीम में भी इसे प्रमुखता दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से अपने संबोधन में भी पहली बार स्वतंत्रता के बाद लाल किले से 'वंदे मातरम' गूंजने का उल्लेख किया था।

रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति, सुशासन और विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने पश्चिम बंगाल को लेकर भी उम्मीद जताई। राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के मार्गदर्शन में पश्चिम बंगाल विकसित भारत के निर्माण के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सोच को 'मोदीनॉमिक्स' बताते हुए कहा कि यही भारत की तेज आर्थिक वृद्धि की आधारशिला बनी है। बुधवार को कोलकाता में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश विकास और सुशासन के रास्ते पर लगातार आगे बढ़ रहा है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि 2014 से पहले भी भारत के पास पर्याप्त 'ब्रेन पावर' और 'मैनपावर' था, लेकिन उनकी पूरी क्षमता का इस्तेमाल नहीं हो पा रहा था। उनके मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसा इकोसिस्टम तैयार किया, जिसमें देश की प्रतिभा और मानव संसाधन अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर सकें। रक्षा मंत्री ने कहा कि 2014 से पहले भी भारत के पास ब्रेन पावर और मैनपावर दोनों थे, लेकिन वे अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर रहे थे।

दशगात्र कार्यक्रम में गिरी आकाशीय बिजली, 14 लोग झुलसे

आठ साल की बच्ची समेत दो नाबालिग भी घायल, पुलिस की तत्परता से सभी को देवसर अस्पताल पहुंचाया गया

सिंगरौली। जिले के जियावन थाना क्षेत्र अंतर्गत कुंदवार चौकी के टिकट गांव में आज बुधवार को दशगात्र कार्यक्रम के दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरने से बड़ा हादसा हो गया। बिजली की चपेट में आने से 14 लोग झुलसकर घायल हो गए। घायलों में आठ वर्ष की बच्ची समेत दो नाबालिग एवं महिलाएं तथा युवती शामिल हैं। घटना के बाद कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। परिजन और आसपास मौजूद लोग घायलों को संभालने में जुट गए।

जानकारी के अनुसार टिकट गांव में धजमन सिंह गौड़ के भाई का दशगात्र कार्यक्रम आयोजित था। इसी दौरान मौसम खराब होने के बीच अचानक आकाशीय बिजली गिरी। इसकी चपेट में आने से कार्यक्रम में मौजूद 14 लोग घायल हो गए। कार्यक्रम के दौरान हुये इस हादसे के समय स्थल पर अफरा-तफरी एवं चीखपुकार मच गई और आकाशीय बिजली गिरने के बाद कुछ घायल मौके पर ही बेहोश हो गए। सूचना मिलते ही कुंदवार चौकी पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने बिना समय गंवाए सभी घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवसर ,पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा घायलों का उपचार किया जा रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सभी घायलों को खतरे से बाहर बताया जा रहा है, हालांकि कई घायलों के बेहोश होने की बात सामने आई है और उनका इलाज जारी है। हादसे के बाद गांव में लोगों की भीड़ जुट गई। परिजनों में भी घटना को लेकर चिंता का माहौल रहा। राहत कार्य में चौकी प्रभारी रामजी त्रिपाठी के नेतृत्व में प्रआर बंशलाल प्रजापति, विनय दोहरे, आर लोकेंद्र तथा डायल-112 में तैनात प्रआर जितेंद्र अहिरवार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

घटना में ये हुये घायल

आकाशीय बिजली के चपेट में आने से 14 लोग घायल हुये, जिनमें महिलाएं, बच्ची, युवती एवं बुजुर्ग महिला व पुरूष शामिल हैं। पुलिस के अनुसार घायलो में कलावती पति लालबहादुर सिंह उम्र 35 वर्ष निवासी डउआडोल , श्यामकली पति गुलाब सिंह उम्र 40 वर्ष निवासी टिकट , बुटली सिंह पति बिहारी सिंह उम्र 85 वर्ष निवासी परसोहर, कुशुम कली पति रघुपति उम्र 60 वर्ष निवासी डउआडोल, मायावती सिंह पति धर्मराज सिंह उम्र 35 वर्ष निवासी कोड़रिया, राजकली सिंह पिता दलबहादुर सिंह उम्र 14 वर्ष , सुषमा सिंह पिता राधे सिंह उम्र 16 वर्ष निवासी टिकट , सोनकली पति इन्द्रजीत सिंह उम्र 24 वर्ष निवासी भरसेड़ा, प्रमिला सिंह पिता दलबहादुर सिंह उम्र 14 वर्ष निवासी टिकट, रामरती पिता लालबहादुर उम्र 38 वर्ष डउआडोल, तेजा सिंह पति मोतीलाल सिंह उम्र 60 वर्ष निवासी बहेरहा, श्यामकली सिंह पिता लालबहादुर सिंह उम्र 8 वर्ष निवासी डउआडोल, कौशिल्या सिंह पिता राजबहादुर सिंह उम्र 35 वर्ष निवासी भोलू, बब्बी सिंह पिता कृष्ण कुमार सिंह उम्र 50 वर्ष निवासी लोड़ीशामिल हैं। जिनका इलाज चल रहा है।

विस्थापितों को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराएं औद्योगिक कंपनियां : कलेक्टर

कलेक्टर ने औद्योगिक कंपनियों से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की

सिंगरौली। कलेक्टर गौरव बैनल ने समय-सीमा बैठक के दौरान औद्योगिक कंपनियों से संबंधित प्राप्त होने वाले प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में उपस्थित औद्योगिक कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि कंपनियों से संबंधित लंबित प्रकरणों एवं शिकायतों का संबंधित व्यक्तियों से संपर्क कर समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विस्थापितों से संबंधित प्रकरणों में संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए उन्हें शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार मुआवजा एवं अन्य देय लाभ उपलब्ध कराए जाएं तथा मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि औद्योगिक कंपनियां विस्थापितों को केवल भत्ते तक सीमित न रखते हुए उनकी शैक्षणिक योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि आवश्यकता के अनुसार विस्थापितों को रोजगारपरक कौशल प्रशिक्षण भी उपलब्ध

कराया जाए, ताकि उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के स्थायी अवसर प्राप्त हो सकें। साथ ही, रोजगार के अवसरों में महिला कार्यबल की भागीदारी बढ़ाने के लिए भी आवश्यक पहल करने के निर्देश दिए। बैठक में विस्थापितों के लंबित भत्ता भुगतान की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिन पात्र विस्थापितों का भत्ता भुगतान लंबित है, उनका भुगतान प्राथमिकता के आधार पर तत्काल सुनिश्चित किया जाए। जिन प्रकरणों में आवश्यक दस्तावेजों के अभाव में भुगतान लंबित है, उनमें संबंधित हितग्राहियों से संपर्क कर दस्तावेजों की पूर्ति कराते हुए प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए। औद्योगिक कंपनियों की ओबी डंपिंग परियोजनाओं से संबंधित शिकायतों, दूषित जल के रिसाव एवं अन्य पर्यावरणीय समस्याओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित क्षेत्र के तहसीलदारों को स्थल का भ्रमण कर शिकायतों का भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थल निरीक्षण के उपरांत वस्तुस्थिति के आधार पर संबंधित औद्योगिक कंपनियों के माध्यम से समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित कराया जाए तथा प्रकरणों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बैठक में जिले की औद्योगिक कंपनियों के प्रतिनिधि एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितंबर को सामुदायिक भवन बैढ़न में होगा वृहद रक्तदान शिविर

सिंगरौली। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आमजन को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करने एवं जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 17 सितंबर 2026 को सामुदायिक भवन, बैढ़न में वृहद रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर की तैयारियों को लेकर कलेक्टर गौरव बैनल ने बैठक लेकर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए अधिकाधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। शिविर के लिए स्वास्थ्य विभाग को नोडल विभाग बनाया गया है तथा इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी सिंगरौली के सहयोग से रक्तदान

सामाजिक संगठनों एवं समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता से होगा आयोजन

संबंधी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। शिविर में सामाजिक संगठनों, अधिवक्ताओं, व्यापारियों, युवाओं सहित समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को संस्थाओं से समन्वय स्थापित कर अधिकाधिक रक्तदाताओं को जोड़ने हेतु निर्देश दिए। कलेक्टर श्री बैनल ने जिलेवासियों से अपील की कि 17 सितंबर को सामुदायिक भवन, बैढ़न पहुंचकर अधिक से अधिक संख्या में स्वैच्छिक रक्तदान करें और सेवा संकल्प अभियान को जन-जन का अभियान बनाएं। उन्होंने जिले की बड़ी परियोजनाओं एवं औद्योगिक संस्थानों को भी रक्तदान जैसे जनसेवा कार्यों से जोड़ने पर जोर दिया। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पुष्पराज सिंह सहित नगर निगम एवं रेडक्रॉस सोसायटी के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार बस ने बाइक सवार को मारी टक्कर, सड़क पर लगा लंबा जाम

सिंगरौली। कोतवाली थाना क्षेत्र के कॉलेज मोड़ के पास बुधवार सुबह तेज रफ्तार रिद्धि ट्रेवल्स की बस अनियंत्रित होकर बाइक सवार से जा टकराई। हादसे में बाइक सवार घायल हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक बस के नीचे फंस गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसे के कारण मुख्य सड़क पर आवागमन बाधित हो गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। देखते ही देखते सड़क पर जाम की स्थिति निर्मित हो गई। राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस के साथ यातायात पुलिस मौके पर पहुंची।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 अक्टूबर तक होंगे जनसेवा एवं जनभागीदारी के विभिन्न कार्यक्रम

प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर सिंगरौली में सेवा गतिविधियों का आयोजन

सिंगरौली। जनसेवा, जनभागीदारी, शासकीय योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से जिले में 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन 17 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत जिलेभर में विभिन्न सेवा, जनजागरूकता एवं जनभागीदारी से संबंधित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान के अंतर्गत 17 सितम्बर 2026 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर सामुदायिक भवन, बैढ़न में जिला स्तरीय रक्तदान शिविर एवं स्वास्थ्य शिविर

आयोजित होगा। वहीं जुड़वां तालाब, बैढ़न में शाम 7 बजे 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का जिला स्तरीय आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से रक्तदान शिविर एवं 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की गई है।

जिले में अभियान के प्रभावी, सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर श्री गौरव बैनल के समग्र नेतृत्व एवं समन्वय में गतिविधियां संचालित की जाएंगी। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत तथा नगरीय क्षेत्रों के लिए आयुक्त, नगर पालिक निगम, सिंगरौली को अभियान का नोडल अधिकारी बनाया गया है। अभियान के तहत 17 सितम्बर को जिला मुख्यालय के साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भी निर्धारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें बड़ा तालाब (छठ घाट), गनियारी; एकलव्य विद्यालय, बरगवां; श्री हनुमानजी मंदिर, चितरंगी; मां धनौजा मंदिर, घोघरा (सरई, देवसर); चादोरानी मंदिर, महुआगांव तथा शिव मंदिर, नौढिया सहित सभी ग्राम पंचायतों एवं वार्डों में निर्धारित गतिविधियां आयोजित होंगी। कलेक्टर गौरव बैनल ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित कार्ययोजना एवं कैलेंडर के अनुसार कार्यक्रमों का समयबद्ध एवं सुव्यवस्थित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान के माध्यम से आमजन को जनसेवा की गतिविधियों से जोड़ने, शासकीय योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ जनभागीदारी को और अधिक सशक्त किया जाएगा।

कलेक्टर के कड़े रुख के बाद हड़कंप, एलडीएम व बैंक प्रबंधन से तलब होगी 9 साल पुरानी फाइले

1.13 लाख सब्सिडी और ऋण वितरण में गोलमाल मामले में बैंक अधिकारियों और विभागीय अमले की उड़ी नींद,लीगल नोटिस की तैयारी

सिंगरौली। जिला कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में उभरे 1.13 लाख रुपये की शासकीय सब्सिडी व 3.40 लाख रुपये के डेयरी ऋण गोलमाल मामले में कलेक्टर के टीएल जांच निर्देशों के बाद प्रशासनिक व बैंकिंग गलियारे में हड़कंप मच गया है।

मुख्यमंत्री के मंच से मिले स्वीकृति पत्र के बावजूद 9 वर्षों तक कागजी उलझनों में भटके हितग्राही के मामले को लेकर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख

अपनाया है। कलेक्टर के आदेश के बाद अग्रणी बैंक प्रबंधक एलडीएम और इंडियन बैंक शाखा देवसर से प्रकरण से जुड़ी तमाम फाइलें, सब्सिडी प्राप्ति-वापसी के रिकॉर्ड और सीएम हेल्पलाइन निस्तारण रिपोर्ट तलब की जा सकती हैं। मार्च 2022 में बैंक को प्राप्त हुई 1,13,562 रुपए की शासकीय सब्सिडी को लंबे समय तक खाते में रखने के बाद जनवरी 2025 में किस आधार पर लौटाया गया जब 2021 में ऋण स्वीकृत हो चुका था और रोजगार मेले में मंच से स्वीकृति पत्र बांटा गया था, तब बाद में सिबिल खराब होने की आड़ लेना बैंक की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है 2018 से 2026 के बीच दर्ज 24 सीएम हेल्पलाइन शिकायतों को बिना धरातलीय समाधान के पोर्टल पर बंद करने को लेकर विभागीय अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है इधर पीड़ित हितग्राही ने मामले को अदालत तक ले जाने का मन बना लिया है। हितग्राही के अनुसार इंडियन बैंक देवसर सहित अन्य को अधिवक्ता के माध्यम से वैधानिक लीगल नोटिस भेजा जा रहा है टीएल में मामला दर्ज होने के बाद अब देखना यह होगा कि पशुपालन विभाग और इंडियन बैंक प्रशासन जांच टीम के सामने क्या सफाई पेश करते हैं। यदि जांच में बैंकिंग लापरवाही या सब्सिडी रोकने में अधिकारियों की दुर्भावना सिद्ध होती है, तो संबंधितों पर गाज गिरना तय माना जा रहा है।

समता कैंप में क्वार्टर का ताला तोड़कर लैपटॉप चोरी, आरोपी गिरफ्तार

सिंगरौली। विन्ध्यनगर थाना क्षेत्र के जयंत चौकी अंतर्गत समता कंपनी कैंप में क्वार्टर का ताला तोड़कर लैपटॉप चोरी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी गया लैपटॉप बरामद किया है। न्यायालय में पेश करने के बाद आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार समता कंपनी कैंप निवासी आदित्य आनंद ने 5 सितंबर की रात रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि रात करीब आठ बजे वह ड्यूटी के लिए खदान गया था। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति ने उसके क्वार्टर का ताला तोड़कर कमरे में रखा लैपटॉप चोरी कर लिया। अगले दिन पड़ोसी से ताला टूटने की जानकारी मिलने पर वह क्वार्टर पहुंचा, जहां लैपटॉप गायब मिला। रिपोर्ट पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 331(4), 305(1) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण करते हुए संदिग्ध की पहचान की गई और लगातार पतासाजी के बाद आरोपी तक पुलिस पहुंच गई। पूछताछ और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अनिकेश्वर उर्फ माफिया द्विवेदी (24), निवासी बारी थाना बहरी जिला सीधी, हाल बस पड़ाव जयंत को गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर लैपटॉप बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ विन्ध्यनगर थाने में चोरी, मारपीट, आर्म्स एक्ट और आबकारी अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में कुल 24 मामले दर्ज हैं।

प्रभारी मंत्री ने वीसी के माध्यम से 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों की समीक्षा की

सिंगरौली

मध्यप्रदेश शासन की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले में आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अभियान के अंतर्गत की जाने वाली गतिविधियों, विभागीय तैयारियों तथा आमजन को उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं एवं योजनाओं के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की।

प्रभारी मंत्री श्रीमती उईके ने निर्देशित किया कि 'सेवा संकल्प अभियान' का आयोजन प्रभावी एवं सुव्यवस्थित रूप से किया जाए। अभियान के दौरान शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के साथ ही आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अभियान की गतिविधियों का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं और सेवाओं को आमजन तक सुगमता से पहुंचाना है। इसके लिए मैदानी अमले की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए तथा अधिक से अधिक नागरिकों को अभियान से जोड़ते हुए उन्हें योजनाओं की जानकारी एवं पात्रतानुसार लाभ उपलब्ध कराया जाए। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान कलेक्टर गौरव बैनल तथा वीसी के माध्यम से पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की राज्यमंत्री राधा सिंह, विधायक सिंगरौली रामनिवास शाह, विधायक देवसर राजेन्द्र मेश्राम, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संघप्रिय तथा भाजपा जिलाध्यक्ष सुन्दर लाल शाह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी शामिल हुए।सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अटल सामुदायिक भवन बिलौजी में 17 सितंबर को होगा 'नमो युवा शक्ति' कार्यक्रम

सिंगरौली। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में 17 सितंबर 2026 को अटल सामुदायिक भवन, बिलौजी में 'नमो युवा शक्ति' खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की राज्य मंत्री श्रीमती राधा सिंह तथा सिंगरौली विधायक रामनिवास शाह सहित जिले के जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम में स्व-सहायता समूह की महिलाएं,आर से टी से जुड़े युवा, विद्यार्थी एवं स्थानीय युवाओं की सहभागिता रहेगी। आयोजन का उद्देश्य युवाओं एवं युवतियों को खेल, रचनात्मकता, स्वास्थ्य, नेतृत्व एवं आत्मनिर्भरता से जोड़ना है।

एनएच-39 समेत प्रमुख मार्गों से हटाया अतिक्रमण, सब्जी विक्रेताओं को मंडी में भेजा

एसडीएम ने दिए सख्त निर्देश, नाली और शासकीय भूमि पर दोबारा कब्जा मिला तो होगी कार्यवाही

सिंगरौली। देवसर अनुविभाग मुख्यालय में सार्वजनिक रास्तों, नालियों और शासकीय संपत्ति को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए प्रशासन ने बुधवार को फिर बड़ी कार्रवाई की। उपखंड अधिकारी एवं प्रशिक्षु आईएएस डॉ. सुशीर श्रीकृष्ण श्रीराम के निर्देशन में राजस्व और पुलिस अमले ने सीधी-सिंगरौली राष्ट्रीय राजमार्ग-39, न्यायालय मार्ग, विश्राम गृह मार्ग तथा चितरंगी-समदा मार्ग पर अतिक्रमण हटाया।

अभियान के दौरान पूर्व में दिए गए निर्देशों के बावजूद निर्धारित सीमा से बाहर सामान रखने वाले दुकानदारों के अस्थायी ठिकानों को हटाया गया। सड़क किनारे कारोबार

कर रहे सब्जी विक्रेताओं को निर्धारित सब्जी मंडी में स्थानांतरित कराया गया। प्रशासन की इस कार्रवाई का उद्देश्य मुख्य मार्ग पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के साथ आमजन के आवागमन के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध कराना रहा। एसडीएम डॉ. सुशीर श्रीकृष्ण श्रीराम ने मौके पर अधिकारियों को निर्देश दिए कि एनएच-39 के दोनों ओर बनी नालियों के भीतर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण नहीं रहने दिया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक मार्ग, नाली अथवा शासकीय भूमि पर दुकान, ठेला या अन्य अस्थायी संरचना लगाकर आवागमन बाधित करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार प्रदीप सिंह, नायब तहसीलदार शिवनंदन सिंह, जियावन थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा, सब इंस्पेक्टर लक्ष्मी नारायण द्विवेदी, राजस्व निरीक्षक बृजेश कुमार पांडेय, पटवारी अनुभव त्रिपाठी व कुलदीप मिश्रा सहित पुलिस एवं राजस्व अमला मौजूद रहा। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि हटाए गए स्थानों पर दोबारा अतिक्रमण न हो, इसकी निगरानी की जाएगी। पुनः अतिक्रमण पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने कलेक्टर ने दिए नवाचार और प्रशिक्षण के निर्देश

डाइट सीधी को मॉडल डाइट के रूप में विकसित करने पर जोर

सीधी। प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने और विद्यार्थियों की बुनियादी दक्षताओं को मजबूत करने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में 16 सितम्बर को डाइट सीधी में बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए रणनीति तैयार करने और उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई।

कलेक्टर ने कहा कि कक्षा एक बच्चों की शैक्षणिक नींव तैयार करने वाली सबसे महत्वपूर्ण कक्षा है। इस स्तर पर बच्चों को बेहतर सीखने का वातावरण मिले, इसके लिए ऊर्जावान और दक्ष शिक्षकों से अध्यापन कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक कक्षाओं में शिक्षक का प्रयास केवल पाठ पूरा करने तक सीमित न रहे, बल्कि बच्चों की भाषा, लेखन, समझ और सीखने की क्षमता के समग्र विकास पर केंद्रित हो।

उन्होंने ऊर्जावान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और शिक्षकों को 25-25 के समूहों में प्रशिक्षण देने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। प्रशिक्षण में व्यवहारिक शिक्षण पद्धतियों, बच्चों की सीखने की जरूरतों और कक्षा-कक्ष में नवाचार पर विशेष ध्यान देने को कहा गया।

कलेक्टर ने प्राथमिक कक्षाओं में विद्यार्थियों के लेखन कार्य को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को पढ़ाई से जोड़ने के लिए शिक्षण को रुचिकर और गतिविधि आधारित बनाया जाए। इसके लिए चौटजीपीटी एवं गूगल जैसे डिजिटल प्लेटफार्मों की सहायता से विषयानुकूल शिक्षण सामग्री तैयार कर उसका कक्षा में उपयोग किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा में सुधार के लिए केवल नई तकनीक ही नहीं, बल्कि अनुभव का उपयोग भी महत्वपूर्ण है। सेवानिवृत्त शिक्षकों के अनुभवों का लाभ लिया जाए तथा अच्छे निजी एवं शासकीय विद्यालयों के अनुभवी शिक्षकों की कक्षाओं और शिक्षण पद्धतियों का अवलोकन कराया जाए, ताकि उपयोगी तरीकों को स्थानीय स्तर पर अपनाया जा सके।

डाइट के मॉनिटरकर्ताओं को अपनी विशेषज्ञता के अनुसार शिक्षण की प्रभावी विधियों पर दो-दो मिनट के छोटे वीडियो तैयार कर समूह के माध्यम से साझा करने के निर्देश दिए गए, जिससे शिक्षकों को सरल और व्यावहारिक शिक्षण तकनीकें उपलब्ध हो सकें।

कलेक्टर ने डाइट सीधी में नवीन पुस्तकालय विकसित करने और आवश्यक पुस्तकों की उपलब्धता में सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में डाइट के सक्षम अकादमिक सदस्यों को अनिवार्य रूप से शामिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने डाइट सीधी को मॉडल डाइट के रूप में विकसित करने तथा इसे प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए प्रभावी अकादमिक संसाधन केन्द्र बनाने पर जोर दिया।

बैठक में सहायक संचालक भगवान दास कोल, डीपीसी विनय मिश्रा, प्राचार्य डाइट एच. केरकेट्टा, व्ही.के. शुक्ला, अरुण मिश्रा, मनोज शुक्ला, ओ.पी. मिश्रा, अरुणा शुक्ला, गौतममणि अग्निहोत्री, डॉ. मुन्नालाल पटेल, वी.वी. सिंह, हरिविलास गुप्ता, अनुराधा सिंह, नीलेश कुमार पाण्डेय, रमाकांत द्विवेदी, मणिभरण वर्मा एवं अभिषेक शर्मा उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितम्बर को रक्तदान महादान

सीधी। जिला प्रशासन द्वारा सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत 17 सितम्बर को रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करते हुए मानव सेवा और जनकल्याण की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया जा रहा है। अभियान के तहत जिला चिकित्सालय सीधी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुसमी में रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों, युवाओं, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न संस्थाओं से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर रक्तदान करने की अपील की है। रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक यूनिट रक्त जरूरत के अनुसार एक से अधिक जीवन बचाने में सहायक हो सकता है। रक्तदान एक सुरक्षित एवं मानवीय कार्य है, जिसके माध्यम से गंभीर बीमारी, दुर्घटना अथवा अन्य आपात स्थितियों में जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सकता है।

धान मिलिंग में अनियमितता पर मिलर्स के विरुद्ध प्राथमिकी के निर्देश

27.68 करोड़ रुपये मूल्य का चावल जमा नहीं कराया, 14 करोड़ रुपये की एफडीआर जांच में फर्जी पाई गई

सीधी। प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि बजरंग इण्डस्ट्रीज, ग्राम हटवा, तहसील सिहावल के प्रोपराइटर अमन यादव पिता धनीराम यादव द्वारा वर्ष 2025-26 में धान मिलिंग के लिए कुल 361 लॉट का अनुबंध किया गया था। एक लॉट में 433 क्विंटल धान निर्धारित था। इसके विरुद्ध जिला प्रबंधक कार्यालय द्वारा 285 लॉट के लिए डिलेवरी ऑर्डर जारी किया गया। मिलर्स द्वारा डिलेवरी ऑर्डर के अनुपात में धान की पूरी मात्रा का उठाव किया गया, लेकिन उठाए गए धान के विरुद्ध अब तक केवल 44 लॉट चावल जमा कराया गया है। एक लॉट में 290 क्विंटल चावल निर्धारित है। इस प्रकार 241 लॉट चावल, जिसकी आर्थिक लागत 27.68 करोड़ रुपये है, 15 सितम्बर 2026 तक जमा नहीं कराया गया। जिला प्रबंधक द्वारा प्रस्तुत जानकारी के अनुसार मिलर्स की ओर से निगम के समक्ष 14 करोड़ रुपये की एफडीआर प्रस्तुत की गई थी। इसकी जांच संबंधित बैंक, भारतीय स्टेट बैंक शाखा सीधी से कराई गई। बैंक जांच में प्रस्तुत एफडीआर कूट रचित एवं फर्जी पाई गईं। प्रकरण में जिला प्रबंधक, मध्यप्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कॉरपोरेशन लिमिटेड, जिला सीधी को कारण बताओ सूचना जारी की गई है। साथ ही बजरंग इण्डस्ट्रीज के प्रोपराइटर अमन यादव के विरुद्ध संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धान मिलिंग एवं शासकीय उपार्जन से संबंधित अनियमितताओं में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। शासकीय हितों की सुरक्षा और उपार्जित धान-चावल की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रकरणों की लगातार निगरानी की जा रही है।

विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक एवं सहायक परियोजना समन्वयकों के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित

25 सितम्बर तक जमा होंगे आवेदन, 21 अक्टूबर को होगी लिखित परीक्षा

सीधी। जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र विनय मिश्रा ने बताया कि राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल के 2 सितम्बर 2026 के पत्र के अनुसार विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक एवं सहायक परियोजना समन्वयकों के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए पात्र लोक सेवकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। निर्धारित प्रपत्र में आवेदन 25 सितम्बर 2026 तक कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र सीधी में जमा किए जा सकेंगे।

इन पदों के लिए स्कूल शिक्षा अथवा जनजातीय कार्य विभाग के व्याख्याता, माध्यमिक शाला के प्रधानाध्यापक तथा उच्च माध्यमिक शिक्षक पात्र होंगे। आवेदक के पास डी.एड., बी.एड. अथवा एम.एड. की उपाधि होना आवश्यक है तथा 1 जुलाई 2026 को आयु 56 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

पदों की पूर्ति के लिए लिखित परीक्षा 21 अक्टूबर 2026 को प्रात: 10 बजे से शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1, सीधी में आयोजित की जाएगी। परीक्षा के माध्यम से जनपद शिक्षा केन्द्र मझौली, रामपुर नैकिन एवं सीधी में विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक तथा जिला शिक्षा केन्द्र में सहायक परियोजना समन्वयक के अकादमिक, कम्युनिटी मोबलाईजेशन, एईआर एवं बालिका शिक्षा पदों पर नियुक्ति की जाएगी।

लिखित परीक्षा के आधार पर तैयार की जाने वाली मेरिट सूची से ही भविष्य में किसी कारणवश पद रिक्त होने पर सेवाएं ली जाएंगी। इस संबंध में कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र, सीधी द्वारा 15 सितम्बर 2026 को समाचार पत्रों में विज्ञप्ति प्रकाशित की जा चुकी है।

अमानक बीज विक्रय पर 15 लाइसेंसधारियों के लाइसेंस निरस्त

उप संचालक कृषि ने बीज विक्रेताओं के विरुद्ध की कार्रवाई, किसानों से बिल लेकर बीज खरीदने की अपील

सीधी। कृषि विभाग द्वारा किसानों को गुणवत्तापूर्ण एवं मानक बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले में बीज विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों से नमूने लिए गए थे। प्रयोगशाला परीक्षण में निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए गए नमूनों के संबंध में संबंधित विक्रेताओं को बीज विक्रय पर प्रतिबंध लगाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उप संचालक कृषि आर.एस. गुप्ता ने बीज अधिनियम, 1983 की धारा 15(बी) के प्रावधानों के तहत 15 बीज विक्रेताओं के लाइसेंस निरस्त कर दिए हैं। निरस्त किए गए लाइसेंसधारियों में न्यू रिन्कू बीज भण्डार, सब्जी मंडी सीधी से धान यूएस-क्रांति-111, लॉट क्रमांक यूएस/2601, न्यू राहुल बीज भण्डार, झगरहा सीधी से धान एनपी1818, लॉट क्रमांक डीटीएन565662, सुरेश बीज भण्डार, सराफा बाजार सीधी से धान आईआर-64, लॉट क्रमांक एपीआर-26-36-1189 (पी)-एनके01851, न्यू महिमा कृषि क्लीनिक, पुराना बस स्टैंड सीधी से धान भारती-121, लॉट क्रमांक 24आर-21385 तथा जायसवाल बीज भण्डार, सब्जी मंडी सीधी से धान किरण गोल्ड, लॉट क्रमांक एफ630आरएन65 शामिल हैं।

इसी क्रम में प्रभु भाई बीज भण्डार, ग्राम दादर-जोगी पहाड़ी, मझौली से धान कस्तूरी प्लस, लॉट क्रमांक केएस265के702, राजेश खाद बीज भण्डार, नदहा-मड़वास से धान एनएसएल-1010, लॉट क्रमांक आईटीवाई671272, कमलेश बीज भण्डार, ग्राम ताला से धान यूएस-6201, लॉट क्रमांक एक्स000000341, बैस बीज भण्डार, ग्राम मझौली, पोस्ट भुइमाड़ से तिल टीएल श्वेता-11, लॉट क्रमांक एमएलपीएल-102 एवं धान आईआर-64, लॉट क्रमांक एनओवी-25-24-8553 तथा गुरु बीज भण्डार, ग्राम भदौरा से धान प्रिया, लॉट क्रमांक 4645एसआर461 के लाइसेंस निरस्त किए गए हैं। इसके अलावा साहू बीज भण्डार, ग्राम भुइमाड़ से मक्का हाइब्रिड जीके-3101, लॉट क्रमांक डब्ल्यूपीएफ054249, भाव्या बीज भण्डार, ग्राम कुचवाही, सिहावल से धान यूएस-6201, लॉट क्रमांक एक्स000000341, यथार्थ ट्रेडर्स, बहरी से धान न्यू गोविंदा, लॉट क्रमांक 256के015 जीजीडीओटी, दिनांक 10.01.26, बृजेश बीज भण्डार, अमरपुर, सिहावल से धान बलेट, लॉट क्रमांक के260017पीबीआर तथा धर्मेन्द्र कृषि बीज भण्डार, हटवाखास टोला, सिहावल से धान बॉस-31 प्लस, लॉट क्रमांक 88643264 के लाइसेंस भी निरस्त किए गए हैं। कृषि विभाग ने कहा है कि जिले में किसानों को मानक एवं प्रमाणित बीज उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। भविष्य में किसी विक्रेता द्वारा अमानक अथवा निम्न गुणवत्ता का बीज विक्रय किए जाने पर उसके विरुद्ध भी नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि बीज खरीदते समय बिल अनिवार्य रूप से प्राप्त करें और केवल अधिकृत एवं प्रमाणित विक्रेताओं से ही बीज खरीदें। इससे बीज की गुणवत्ता संबंधी समस्या होने पर किसान के पास खरीद का प्रमाण भी उपलब्ध रहेगा।

सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वामित्व योजना में सीधी के 7424 हितग्राहियों को मिलेंगे भू-अधिकार पंजीयन प्रमाण पत्र

17 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक चलेगा विशेष अभियान, 383 ग्राम पंचायतें होंगी शामिल

सीधी। सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत स्वामित्व योजना के अंतर्गत जिले के पात्र भू-स्वामियों को भू-अधिकार पंजीयन प्रमाण पत्र का लाभ निरूशुल्क दिया जाएगा। इसके लिए 17 सितम्बर से 3 अक्टूबर 2026 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के प्रथम दिन 17 सितम्बर को पात्र हितग्राहियों को प्रमाण पत्रों का वर्चुअल माध्यम से वितरण किया जाएगा।

स्वामित्व योजना के तहत सीधी जिले की 383 ग्राम पंचायतों को अभियान में शामिल किया गया है। जिले में कुल 7424 हितग्राही भू-अधिकार पंजीयन प्रमाण पत्र से लाभान्वित होंगे। तहसीलवार कुसमी के 24 ग्रामों के 146, गोपद बनास के 82 ग्रामों के 1114, चुरहट के 43 ग्रामों के 1179, बहरी के 44 ग्रामों के 476, मझौली के 30 ग्रामों के 351, मड़वास के 34 ग्रामों के 228, रामपुर नैकिन के 79 ग्रामों के 3024 तथा सिहावल के 47 ग्रामों के 906 हितग्राही शामिल हैं।

अभियान के दौरान संबंधित भू-स्वामियों की ई-केवाईसी सहित आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर प्रमाण पत्र तैयार किए जाएंगे। अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पात्र हितग्राहियों तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

स्वामित्व योजना के अंतर्गत संपत्तियों के पंजीयन की प्रक्रिया निरूशुल्क है। इसमें किसी प्रकार का स्टाम्प शुल्क, उपकर अथवा पंजीयन शुल्क देय नहीं होगा। योजना के माध्यम से ग्रामीण आबादी क्षेत्रों में स्थित संपत्तियों के स्वामित्व संबंधी अभिलेख उपलब्ध कराकर भू-स्वामियों को उनके अधिकार का प्रमाण प्रदान किया जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के साथ ही विभिन्न सेवाओं को सरल और सुगम बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। जिला प्रशासन ने पात्र भू-स्वामियों से अभियान में सहयोग करते हुए निर्धारित प्रक्रिया समय पर पूर्ण कराने और योजना का लाभ लेने की अपील की है।

खाद्यान्न वितरण में अनियमितता पर उचित मूल्य दुकान विक्रेता के विरुद्ध प्राथमिकी

जिले के सभी विक्रेताओं को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न वितरण और स्टॉक का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश

सीधी। प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, अनुभाग सीधी के 31 जुलाई 2026 के आदेश के पालन में शासकीय उचित मूल्य दुकान करवाही के विक्रेता कामता प्रसाद मिश्रा के विरुद्ध खाद्यान्न वितरण में अनियमितता पाए जाने पर थाना मझौली में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्रकरण में एफआईआर क्रमांक 0641 दर्ज किया गया है।

जिला आपूर्ति अधिकारी ने जिले के सभी शासकीय उचित मूल्य दुकान विक्रेताओं को निर्देशित किया है कि वे पात्र हितग्राहियों को निर्धारित प्रक्रिया एवं मात्रा के अनुसार नियमित रूप से खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करें। साथ ही पीओएस मशीन में दर्ज स्टॉक के अनुरूप दुकान में भौतिक रूप से भी खाद्यान्न का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध रखना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें।

उन्होंने स्पष्ट किया कि खाद्यान्न वितरण अथवा स्टॉक में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितम्बर को होगा 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम

सीधी। जिला प्रशासन द्वारा सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत 17 सितम्बर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य सेवा और सम्मान की भावना के साथ समाज के विभिन्न वर्गों को जोड़ना तथा जनभागीदारी के माध्यम से सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना है। कार्यक्रम 17 सितम्बर को शाम 7 बजे आयोजित होगा। इसके तहत उत्कृष्ट विद्यालय सीधी, पूजा पार्क, जिले के महत्वपूर्ण धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों तथा जिले के सभी मतदान केन्द्रों पर दीप प्रज्ज्वलित कर 'आशीर्वाद का दीया' जलाया जाएगा। जिला प्रशासन ने जिलेवासियों से कार्यक्रम में सहभागी बनने की अपील की है। नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर सेवा, सम्मान और सामाजिक सहभागिता का संदेश दें। 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम सेवा संकल्प अभियान के तहत जनभागीदारी से जुड़ा आयोजन है, जिसके माध्यम से समाज में सेवा और सम्मान की भावना को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना में सीधी देश में अव्वल

99.34 कम्पोजिट स्कोर के साथ देशभर में प्रथम स्थान, कृषि एवं ग्रामीण आजीविका के विभिन्न संकेतकों में उत्कृष्ट प्रदर्शन

सीधी। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के परिणाम आधारित संकेतकों में सीधी जिले ने 99.34 कम्पोजिट स्कोर प्राप्त कर देशभर में प्रथम स्थान हासिल किया है। कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, विभागीय समन्वय, नियमित मॉनिटरिंग तथा किसानों की भागीदारी से जिले ने विभिन्न निर्धारित संकेतकों में उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की हैं। कलेक्टर विकास मिश्रा के मार्गदर्शन में कृषि विकास को परिणाम आधारित बनाने पर विशेष जोर दिया गया। योजनाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा और मैदानी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन से फसल उत्पादकता, फसल विविधीकरण, दलहन एवं तिलहन के रकबे, उद्यानिकी, प्राकृतिक खेती तथा श्री अन्न के उत्पादन को बढ़ावा मिला।

योजना के प्रमुख परिणाम आधारित संकेतकों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पिछले वर्ष की तुलना में फसल बीमा कवरेज में 28 प्रतिशत वृद्धि के लक्ष्य के विरुद्ध 28.13 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई। इसी प्रकार बीमा से जुड़े किसानों की संख्या में 30 प्रतिशत लक्ष्य के विरुद्ध 31.97 प्रतिशत वृद्धि हुई। किसानों के स्वीकृत बीमा दावों के भुगतान में 100 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई तथा खरीफ और रबी दोनों मौसमों में निर्धारित लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति हुई।

कार्यालय कलेक्टर/भू-अर्जन अधिकारी जिला-सीधी (म0प्र0)

क्र. 997 /प्रवा./2025/ सीधी दिनांक 09/09/2026

इस्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि महान परियोजना अन्तर्गत बहरी नहर विस्तार योजना (द्वितीय चरण) के मुख्य/शाखा नहर निर्माण हेतु ग्राम शिवपुर (मरसरहा) तहसील बहरी जिला-सीधी की निम्नानुसार भूमियां अर्जित की जा रही है जिसके सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 23.09.2026 तक आपत्ति प्रस्तुत करें। यदि दिनांक 23.09.2026 तक कोई आपत्ति प्रस्तुत नहीं की गई तो बाद में प्रस्तुत की जाने वाली आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

ग्राम-शिवपुर (मरसरहा)

स.क्र.	भूमिस्वामी का नाम	खसरा क्रमांक	कुल रकवा (हे. में)	अर्जित रकवा/परिसम्पत्ति
1	2	3	4	5
1	छविराज सिंह पिता इशराज सिंह जाति क्षत्री	511	0.410	0.006 (60 sqm)
	योग	1 किता	0.410	0.006 ha.

कलेक्टर/ भू-अर्जन अधिकारी
जिला-सीधी (म.प्र.)

जी-18685/26

कार्यालय कलेक्टर/भू-अर्जन अधिकारी जिला-सीधी (म0प्र0)

क्र. 1000 /प्रवा./2025/ सीधी दिनांक 09/09/2026

इस्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि महान परियोजना अन्तर्गत बहरी नहर विस्तार योजना (द्वितीय चरण) के मुख्य/शाखा नहर निर्माण हेतु ग्राम शिवपुर (मरसरहा) तहसील बहरी जिला-सीधी की निम्नानुसार भूमियां अर्जित की जा रही है जिसके सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 23.09.2026 तक आपत्ति प्रस्तुत करें। यदि दिनांक 23.09.2026 तक कोई आपत्ति प्रस्तुत नहीं की गई तो बाद में प्रस्तुत की जाने वाली आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

ग्राम-शिवपुर (मरसरहा)

स.क्र.	भूमिस्वामी का नाम	खसरा क्रमांक	कुल रकवा (हे. में)	अर्जित रकवा (हे. में)/परिसम्पत्ति
1	2	3	4	5
1	हिरौआ वेवा त्रिभुवन राम ब्रा. बृजवासी प्रसाद पुत्र त्रिभुवन राम ब्रा., गुलाब प्रसाद पिता त्रिभुवन राम ब्रा., सन्तोष कुमार पिता त्रिभुवन राम ब्रा., ललिता पुत्री त्रिभुवन राम ब्रा.	891	1.490	0.050
	योग	1 किता	1.490	0.050

कलेक्टर/ भू-अर्जन अधिकारी
जिला-सीधी (म.प्र.)

जी-18665/26

संपादकीय

एआई की तेज रफ्तार में पीछे न छूट जाए इंसान, किसके हाथ में रहेगा नियंत्रण?

एंथ्रोपिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डारियो अमोदेई ने इस आधुनिक तकनीक के तेजी से हो रहे विकास को धीमा करने की जरूरत बताकर मूल चिंता की ओर ध्यान दिलाया है। कृत्रिम मेधा यानी एआइ को लेकर दुनिया जिस उत्साह से आगे बढ़ रही है, उसमें थोड़ा ठहरकर यह विचार करना जरूरी है कि क्या मनुष्य तकनीक को साध रहा है या तकनीक धीरे-धीरे मानव जीवन की गति तय करने लगी है। एआइ का उद्देश्य मनुष्य की क्षमताओं का विस्तार होना चाहिए, न कि उसे एक विकल्प के रूप में विकसित करना। इसलिए इसके विकास की रफ्तार से अधिक महत्त्वपूर्ण यह सवाल है कि इसकी दिशा और नियंत्रण किसके हाथ में रहेगा।कृत्रिम मेधा से जुड़ी कंपनी एंथ्रोपिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डारियो अमोदेई ने इस आधुनिक तकनीक के तेजी से हो रहे विकास को धीमा करने की जरूरत बताकर इसी मूल चिंता की ओर ध्यान दिलाया है। उन्होंने चेताया है कि यदि एआइ की क्षमताओं में सुधार ऐसे ही जारी रहा, तो उन्हें समझने, परखने और नियंत्रित करने की मानव क्षमता पीछे छूट सकती है। यह आशंका महज तकनीकी क्षेत्र की चिंता नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है।इसमें दोराय नहीं कि किसी तकनीक की क्षमता जितनी बढ़ती है, उसके निर्णयों की जवाबदेही का प्रश्न उतना ही जटिल होता जाता है। एआइ यदि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, न्याय, सुरक्षा, विनिर्माण और शासन जैसे क्षेत्रों में निर्णायक भूमिका निभाने लगे, तो उसकी छोटी-सी चूक भी गंभीर स्थिति पैदा कर सकती है। फिलहाल खतरा ये नहीं है कि तकनीक मनुष्य से अधिक बुद्धिमान हो जाएगी, बल्कि यह है कि मनुष्य उसकी बुद्धिमत्ता पर इतना निर्भर न हो जाए कि अपने विवेक का इस्तेमाल कम कर दे। मौजूदा दौर में एआइ को रोकना संभव नहीं और न ही नई तकनीक को भय की दृष्टि से देखना उचित है, मगर अनियंत्रित गति को प्रगति मानना भी बुद्धिमानी नहीं।ऐसे में आवश्यक है कि दुनिया यह तय करे कि तकनीकी प्रगति की सीमा क्या होनी चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अत्यधिक उन्नत एआइ के उद्देश्य इंसानों से अलग हो गए, तो यह मानवता के अस्तित्व के लिए संकट बन सकता है। इसलिए यह सुनिश्चित करना बहुत जरूरी है कि कृत्रिम मेधा मनुष्य का सहारा बने, उसका विकल्प नहीं।

सेवा के 25 साल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक मंच पर बढ़ायी भारत कीप्रतिष्ठा और मान-सम्मान

• डॉ. मोहन यादव

यशस्वी श्री नरेन्द्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में ढाई दशक की गौरवपूर्ण यात्रा पर विशेषराजनीति के मैदान में ऐसे अनेक नेता और जननेता हुए हैं, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। इनमें कुछ अपनी प्रशासनिक क्षमता के लिए जाने गए, तो कुछ ने अपने राजनीतिक कौशल से अलग पहचान बनाई। लेकिन ऐसे नेता विरले ही होते हैं, जो संगठन से निकलकर मुख्यमंत्री के रूप में अपनी राजनीतिक और प्रशासनिक कार्यकुशलता की मिसाल कायम करें और आगे चलकर प्रधानमंत्री के रूप में न केवल देश की राजनीति और शासन-व्यवस्था को नई दिशा दें, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाये।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सार्वजनिक जीवन ऐसी ही असाधारण यात्रा का उदाहरण है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लगभग 13 वर्षों तक उन्होंने शासन की एक ऐसी शैली विकसित की, जिसमें विकास, सुशासन और जनभागीदारी को केंद्र में रखा गया। इसके बाद वर्ष 2014 में देश के प्रधानमंत्री का दायित्व संभालने के बाद उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर, सुरक्षित, समृद्ध और विश्व में प्रभावशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए।उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे परिस्थितियों को केवल देखते नहीं, बल्कि उनमें परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं। दुनिया की राजनीति में कहाँ मौन रहना है, कहाँ अपनी बात स्पष्ट रूप से रखनी है और कहाँ दृढ़ता के साथ भारत के हितों की रक्षा करनी है। इसका संतुलन प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने अपनी विदेश नीति में लगातार प्रदर्शित किया है। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्होंने विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत किया है।

आज भारत विश्व राजनीति में एक प्रभावशाली शक्ति के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। अमेरिका और रूस जैसे देशों के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखना हो, पश्चिम एशिया में भारत के हितों की रक्षा करनी हो या रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे जटिल अंतरराष्ट्रीय विषयों पर शांति और संवाद का पक्ष रखना हो, प्रधानमंत्री जी ने भारतीय दृष्टिकोण को मजबूती से दुनिया के सामने रखा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी रही है कि संकट के समय भारत ने केवल अपने नागरिकों की ही चिंता नहीं की, बल्कि मानवता के प्रति अपने दायित्व को भी निभाया।कोरोना महामारी के कठिन दौर में भारत ने जिस प्रकार अपने नागरिकों की सुरक्षा और जरूरतों का ध्यान रखा, वह अभूतपूर्व था। इसके साथ ही भारत ने अनेक देशों को दवाइयाँ, वैक्सीन और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई। श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से लेकर तुर्किए तक, जब भी आवश्यकता पड़ी, भारत ने सहायता का हाथ बढ़ाया।

युद्धग्रस्त क्षेत्रों से भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए भी प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में अनेक अभियान चलाए गए। यूक्रेन में फंसे भारतीय विद्यार्थियों की सुरक्षित वापसी हो या संकटग्रस्त परिस्थितियों में अन्य भारतीय नागरिकों को स्वदेश लानाइन प्रयासों ने यह संदेश दिया कि भारत अपने प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।भारत की मानवीय संवेदनशीलता का परिचय उस समय भी मिला, जब कठिन अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बावजूद पड़ोसी देश पाकिस्तान के विद्यार्थियों को भी सुरक्षित उनके देश वापस पहुँचाने के प्रयास किए गए। यह भारतीय संस्कृति की उस भावना का परिचायक है, जिसमें मानवता को सर्वोपरि माना गया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा आतंकी हमले के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत आतंकवाद को सहन करने वाला देश नहीं है।ऑपरेशन सिंदूर ने भी आतंकवाद के विरुद्ध भारत के संकल्प को दुनिया के सामने दृढ़ता से रखा। भारत ने यह स्पष्ट किया कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई उसके लिए केवल सुरक्षा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सम्मान और नागरिकों की सुरक्षा का प्रश्न भी है।प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आतंकवाद को लेकर भारत की नीति में जो दृढ़ता आई है, उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय का भी ध्यान आकर्षित किया है। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मुद्दे को वैश्विक मंचों पर प्रभावी ढंग से उठाने और आतंकवाद के खिलाफ व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने में भारत को महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

हाल ही में दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के माध्यम से भारत ने वैश्विक मंच पर स्वयं को एक संतुलित, व्यवहारिक और नीतिगत रूप से स्वायत्त राष्ट्र के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। भारत की साख एक ऐसे देश के रूप में बनी है जो वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है और पश्चिमी देशों तथा पूर्वी शक्तियों के बीच संवाद का संतुलन बनाए रखने में सक्षम है। भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि ब्रिक्स किसी पश्चिम-विरोधी गुट के रूप में नहीं, बल्कि एक समावेशी और सुधारात्मक बहुपक्षीय मंच के रूप में कार्य करता है। इसके अतिरिक्त, भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, आर्थिक विकास और आतंकवाद के प्रति कड़े रुख ने वैश्विक स्तर पर देश की विश्वसनीयता को और अधिक बढ़ाया है इस पूरे परिदृश्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका अत्यंत निर्णायक और प्रभावी रही है। सम्मेलनों के दौरान विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों के साथ

की गई उनकी द्विपक्षीय बैठकों ने न केवल जटिल क्षेत्रीय मुद्दों को सुलझाने में मदद की, बल्कि भारत के आर्थिक और व्यापारिक हितों को भी नई दिशा दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष गरीब और वंचित वर्गों के जीवन में बदलाव लाने का प्रयास है। जनकल्याण की योजनाओं में जाति, क्षेत्र या धर्म के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का लाभ देश के करोड़ों परिवारों तक पहुँचा है।गरीबों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि उनके जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। पक्का घर, शौचालय, बिजली, गैस कनेक्शन, बैंक खाता, स्वास्थ्य सुरक्षा और खाद्यान्न की उपलब्धता जैसे विषयों को जनकल्याण की मुख्यधारा में लाया गया।

आयुष्मान भारत योजना ने गरीब और असहाय परिवारों के लिए गंभीर बीमारियों के उपचार को आर्थिक रूप से अधिक सुलभ बनाया। इसी प्रकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से करोड़ों जरूरतमंद परिवारों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया।प्रधानमंत्री जी के लिए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' केवल नारा नहीं, बल्कि शासन का मूल मंत्र रहा है।

प्रधानमंत्री के रूप में दायित्व संभालते ही श्री मोदी जी ने स्वच्छता को राष्ट्रीय अभियान का रूप दिया। उन्होंने स्वयं हाथ में झाड़ू लेकर स्वच्छता का संदेश दिया और देशवासियों से स्वच्छ भारत के निर्माण में भागीदारी का आह्वान किया।इस अभियान ने देश की सोच में परिवर्तन लाने का काम किया। गांवों से लेकर शहरों तक स्वच्छता जनआंदोलन बनी। मध्यप्रदेश ने भी इस अभियान में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। इंदौर का लगातार स्वच्छ शहरों में अग्रणी रहना इस जनभागीदारी का प्रेरक उदाहरण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया। आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत स्थिति बना चुका है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों ने उत्पादन, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में नई संभावनाएँ पैदा की हैं। रक्षा उत्पादन और निर्यात में भारत की बढ़ती क्षमता इसका प्रमाण है।भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। चंद्रयान-3 की सफलता और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग ने पूरी दुनिया का ध्यान भारत की वैज्ञानिक क्षमता की ओर आकर्षित किया।

प्रधानमंत्री जी का मानना है कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। युवाओं को कौशल, रोजगार, स्वरोजगार, स्टार्टअप और तकनीकी नवाचार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की गई हैं।मुद्रा योजना ने छोटे उद्यमियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर लाखों युवाओं को अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर दिया। कौशल विकास और स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं में नौकरी खोजने के साथ-साथ रोजगार देने की भावना को भी मजबूत किया है। महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए भी प्रधानमंत्री जी ने अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए। उज्ज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को रसोई के धुएँ से राहत दिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना ने महिलाओं को परिवार की संपत्ति में अधिक सम्मानजनक भागीदारी का अवसर दिया। महिला आरक्षण कानून ने राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम रखा है।'लखपति दीदी' अभियान के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यह केवल महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विकास के साथ-साथ भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति समाज में आत्मविश्वास जगाने का कार्य किया है। 'विरासत के साथ विकास' की भावना के अनुरूप उन्होंने आधुनिक भारत को उसकी प्राचीन सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया है।योग, जो भारत की हजारों वर्ष पुरानी जीवन पद्धति है, उसे वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाने में प्रधानमंत्री जी की भूमिका उल्लेखनीय रही है। उनके प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दी। आज दुनिया के अनेक देशों में करोड़ों लोग योग को अपने स्वस्थ जीवन का हिस्सा बना रहे हैं।

यशस्वी मोदी जी के प्रयासों सेअयोध्या में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा ने करोड़ों भारतीयों की आस्था और सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा दी। इसी प्रकार जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त करने का निर्णय राष्ट्रीय एकता और अखंडता की दृष्टि से ऐतिहासिक माना गया।

'मन की बात' के माध्यम से प्रधानमंत्री जी ने देश के सामान्य नागरिकों से सीधे संवाद की एक अनूठी परंपरा विकसित की। देश के दूरदराज के गांवों, छोटे शहरों और सामान्य परिवारों से जुड़े अनेक लोगों के कार्यों को राष्ट्रीय मंच मिला।यह संवाद प्रधानमंत्री जी के उस दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसमें भारत का विकास केवल सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से संभव माना गया है।

यशस्वीनरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष केवल सत्ता में रहने की अवधि नहीं, बल्कि सेवा, संघर्ष, परिश्रम और राष्ट्र निर्माण की निरंतर यात्रा हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से समाज और राष्ट्र सेवा का संकल्प लेकर शुरू हुई यह यात्रा गुजरात के मुख्यमंत्री से होते हुए देश के प्रधानमंत्री तक पहुँची।उनके लिए राष्ट्र प्रथम है और यही भावना उनके प्रत्येक निर्णय में दिखाई देती है।उन्होंने भारत को आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र बनाने का लक्ष्य सामने रखा है।उनके जन्मदिवस पर हम सभी का यह संकल्प होना चाहिए कि हम राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे और विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएँगे।

कहा गया है......

परिश्रम में जो तपा है, उसने ही तो इतिहास रचा है।
जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है, उसने ही समय को मोड़ा है।
समय को मोड़ देने का भी यही समय है, सही समय है।

यह उद्घोष आज भारत के उस नेतृत्व के प्रति हमारे विश्वास को व्यक्त करता है, जिसने सेवा को साधना और राष्ट्र निर्माण को अपना ध्येय बनाया है।आइए, प्रधानमंत्री जी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा के अवसर पर हम भी राष्ट्र निर्माण के इस महायज्ञ में अपनी आहुति देने का संकल्प लें। देश के लिए नई उम्मीदों का दीप जलाएँ, अपने सामर्थ्य के अनुसार योगदान दें और उस भारत के निर्माण में सहभागी बनें, जिसका सपना हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रनायकों ने देखा था। प्रधानमंत्री जी केजन्मदिन 17 सितंबर को हम सभी अपने घरों और प्रतिष्ठानों में आशीर्वाद का एक दीप जलाएँ और उनकी दीर्घायु, स्वस्थ एवं यशस्वी जीवन की कामना करें। यह दीप उस विश्वास का प्रतीक बने कि भारत की विकास यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहे, देश आत्मनिर्भर एवं शक्तिशाली बने और वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प साकार हो।'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना के साथ विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की यात्रा निरंतर आगे बढ़े, यही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस पर हमारी सबसे बड़ी शुभकामना है।

जिसने जीवन संवारा, उसको नमन हमारा।

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

वृक्ष की एक शाखा पर इतने रंग, फिर इंसान क्यों एक जैसा बनने की दौड़ में है?

(लोकेंद्र सिंह कोट)

अगर किसी वृक्ष के नीचे कुछ देर बैठना हो, तो सबसे पहले अपने भीतर के शोर को थोड़ी देर के लिए बंद कर दीजिए। तब वृक्ष बोलता हुआ महसूस होगा। उसकी शाखाओं पर फूल हैं, पत्तियां हैं, नई कोंपलें हैं और कहीं कोई पीली पत्ती चुपचाप झरने की प्रतीक्षा कर रही है। एक ही वृक्ष पर जीवन के इतने रूप साथ-साथ मौजूद हैं, मगर किसी में दूसरे जैसा बनने की हड़बड़ी नहीं।पत्ती फूल बनने के लिए व्याकुल नहीं और फूल पत्ती की हरियाली से ईर्ष्या नहीं करता। नई कोंपल पुरानी पत्ती को तुच्छ नहीं समझती और सूखी पत्ती नई कोंपल का रास्ता रोकने के लिए शाखा से चिपकी नहीं रहती। यह दृश्य मनुष्य के लिए एक पाठ है कि सह-अस्तित्व का अर्थ समानता नहीं, अपनी भूमिका की स्वीकृति है। मनुष्य ने प्रकृति से घर बनाना सीखा, खेती सीखी, औषधियां बनाना सीखा, ऋतुओं को समझा और संसाधनों का उपयोग करना जाना। मगर शायद वह नहीं सीख पाया कि भिन्न होकर भी साथ कैसे रहा जाए। आधुनिक समाज की विडंबना यही है कि उसने विविधता का उत्सव तो खूब मनाया, मगर व्यवहार में समानता के एक ही सांचे को आदर्श बना लिया। सुंदरता का एक मानक है, करिअर की एक दौड़ है और जीवन को सफल बनाने के लिए उपलब्धियों की लंबी सूची है। जो इस दौड़ में आगे है, वह आदर्श है, जो पीछे रह गया, वह अपने जीवन पर संदेह करने लगता है। फूल इसलिए महत्त्वपूर्ण नहीं है कि वह पत्ती से अधिक सुंदर है। पत्ती इसलिए कम महत्त्वपूर्ण नहीं कि उसके हिस्से में प्रशंसा कम आती है। वनस्पति-विज्ञान की भाषा में पत्तियां प्रकाश-संश्लेषण के जरिए पौधे के लिए ऊर्जा तैयार करती हैं, जबकि फूल प्रजनन की प्रक्रिया में भूमिका निभाते हैं। यानी जिसे हम सुंदरता का प्रतीक मानते हैं और जिसे केवल पृष्ठभूमि

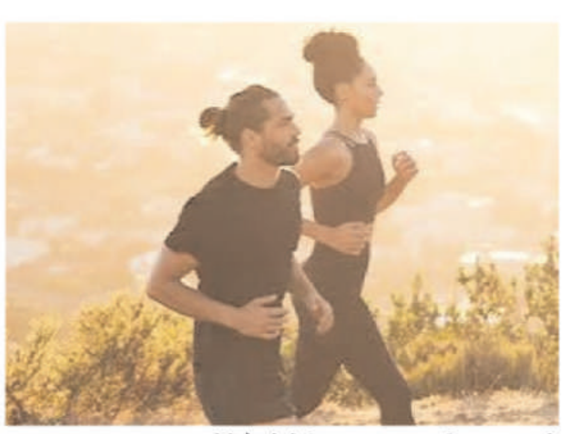

समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, दोनों मिलकर वृक्ष का जीवन पूरा करते हैं। समाज में भी ऐसा ही है। मंच पर खड़ा व्यक्ति दिखता है, मंच तैयार करने वाला नहीं। पुरस्कार पाने वाला दिखता है, पर वर्षों तक उसके काम को व्यवस्थित करने वाले हाथ नहीं। दृश्य उपलब्धि को मूल्य और अदृश्य श्रम को स्वाभाविक मानने की यह प्रवृत्ति सामाजिक संतुलन के लिए सही नहीं है। समस्या तब पैदा होती है, जब प्रेरणा आत्मविकास का साधन न रहकर आत्म-अस्वीकृति का कारण बन जाए। हम किसी की सफलता देखकर यह पूछने लगते हैं कि हम उसके जैसे क्यों नहीं हैं। किसी की भाषा, जीवनशैली, पहनावा, करिअर, घर या सामाजिक प्रतिष्ठा हमें जिंदगी के प्रति असंतुष्ट करने लगती है। धीरे-धीरे अपने जीवन को जीना छोड़कर दूसरे से नकल करने लगते हैं। एक दीपक से दूसरा दीपक जल सकता है, मगर दूसरी लौ पहली की प्रतिलिपि नहीं होती। यही प्रेरणा और नकल के बीच का फर्क है। प्रेरणा भीतर की क्षमता को जगाती है, नकल अपनी पहचान को दबाती है। नदी बादलों से जल लेती है, पहाड़ों से दिशा पाती है और धरती से रास्ता, मगर अंततः अपना मार्ग स्वयं बनाती है। सोशल मीडिया ने तुलना को हमारी जेब में रख दिया है। हर दिन हमें दूसरों के जीवन के चमकदार हिस्से दिखाई देते हैं। मगर, उनकी असुरक्षाएं, असफलताएं, संघर्ष और अकेलापन नहीं दिखते। दूसरी ओर हम अपने जीवन को उसकी पूरी जटिलता से जानते हैं। नतीजा यह होता है कि दूसरे का जीवन हमसे बेहतर दिखने लगता है। तुलना की यह आदत आत्मसम्मान को खा सकती है। इसलिए आत्मस्वीकृति कोई आत्ममुग्धता नहीं है। अपने जैसा बने रहने का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति आलोचना से बच जाए या अपनी कमियों को मौलिकता का नाम दे। दूसरों से सीखना जरूरी है, लेकिन लक्ष्य स्वयं को मिटाना नहीं, बेहतर बनाना होना चाहिए। वृक्ष की पत्ती अलग है, लेकिन शाखा से जुड़ी है। यही स्वस्थ सह-अस्तित्व का सूत्र है। असहमति को शत्रुता मानना और भिन्नता को विद्रोह समझना किसी भी व्यवस्था को अंततः जड़ बना देता है। संगीत इसका उदाहरण है। अगर बांसुरी, तबला और सितार एक ही ध्वनि निकालने लगें, तो संगीत नहीं बचेगा। संगीत इसलिए बनता है, क्योंकि अलग-अलग वाद्य अपनी अलग आवाज के साथ एक साझा लय में शामिल होते हैं। प्रकृति हमें सफलता और विफलता का अर्थ भी समझाती है। पत्ती हमेशा हरी नहीं रहती। वह पीली पड़ती है, सूखती है और झर जाती है। मगर उसका झरना व्यर्थ नहीं होता। मिट्टी में मिलकर वह आने वाली कोंपलों को पोषण देती है। मनुष्य के जीवन में भी हर समय मंच पर खड़े रहने का अवसर नहीं मिलता।

वर्ग पहेली 6215

1	2	3		4	■	■	5
6			■	7	8		
	■	■	9			■	
	■	10		■	11	12	■
13		■	14	15	■	16	
	■	17	■	18			■
■	19	■	20		■	21	22
23					■	24	

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1857 की क्रांति का पहला क्रांतिकारी जिनके सम्मान में भारत सरकार द्वारा सन् 1984 में एक डाक टिकट जारी किया गया (5)
6. जो नियम के विपरीत हो, जो ठीक न हो (3)
7. यह हंगरी देश की राजधानी है (4)
9. बैचेन, व्याकुल (3)
10. कला आदि सिखलाने वाला व्यक्ति, नवग्रहों में से एक (2)
11. जिसका कद छोटा हो, ठिगना, बौना (2)
13. सूजी, अत्यंत महीन कण (2)
14. पुराणानुसार ये श्रीराम के अनुज भरत के ज्येष्ठ पुत्र थे जिन्होंने गांधार में तक्षशिला नगरी स्थापित की थी (2)
16. गंतव्य स्थान, निशाना (2)
17. शास्त्रीय संगीत में पंचम स्वर (1)
18. परिज्ञात, संज्ञात, विदित, ज्ञात (3)
20. यह बाराणसी का पुराना नाम है (2)
21. बांस आदि का छोटा टुकड़ा (3)
23. इंदीवर, नीलोफर, राजीव (5)
24. केशलता, बालों का गुच्छा जो गाल पर लटके (2)

ऊपर से नीचे

1. किसी मंगल उत्सव में किया जाने वाला नांदी पाठ (6)
2. बात (पंजाबी)(2)
3. दुर्व्यसन, चसका, बुरी आदत, कुर (2)
4. वह किताब या डायरी जिसमें प्रतिदिन की कार्यवाही का विवरण लिखा जाता है (3)
5. धूल या चाक आदि से लिखा हुए को मिटाने वाला (3)
8. फेंकना, छोड़ना, घुसाना (3)
9. ये लेबनान देश की राजधानी है (3)
12. बहाने बाजी, हीला-हवाला (5)
15. क्षमा करने वाला, सहनशील (4)
19. यह कार्य का मात्रक है (2)
20. कार्य, काज, मतलब, उद्देश्य, इंद्रिय सुख की इच्छा (2)
22. पटसन का बना हुआ मोटा कपड़ा (2)

वर्ग पहेली 6214 का हल

स्मृ	ति	मं	था	ना	■	पै	रू
ति	■	दि	न	क	र	■	वि
ई	■	थ	■	में	में	ह	■
रा	ल	■	क	द	म	■	ब
नी	च	ता	■	म	■	ग	या
■	र	न	■	हो	शि	या	र
मौ	■	से	■	ना	क	ना	■
सा	व	न	■	■	वा	■	■

दूर के ख्वाब

(अक्षय शुक्ला)

मुसाफिर कैफे के चंदर की तरह बहुत से लोगों का सपना होता है पहाड़ों पर अपना कैफे, होम स्टे या सुंदर सा आशियाना बनाने का। हालांकि चंदर जैसे सबके सपने साकार नहीं हो पाते। क्योंकि ख्वाब और हकीकत में बड़ा फर्क है। शहर की भागदौड़ और प्रदूषण से दूर पर्वतीय स्थल की साफ हवा और शांति दो-चार दिन के लिए तो बहुत अच्छी लगती है लेकिन कुछ पल के लिए ठहरने और जीवन भर वहीं बसने में बहुत फर्क है। काफी पहले ऑफिस की वर्कशॉप में हमारे ट्रेनर ने अपना अनुभव शेयर किया था कि कैसे एक दिन अचानक उन्होंने रिज़ाइन कर दिया और हिल स्टेशन की ओर कूच कर गए। सोचा अब वहीं रहकर अपने बाग में उगी ताज़ा फल सब्ज़ियां खाएंगे और सुकून से जीवन बिताएंगे। पर एक साल के अंदर ही वापस अपने बॉस के सामने खड़े थे कि नौकरी पर रख लीजिए।

दरअसल, पहाड़ों पर ज़िंदगी आसान नहीं। होटल में रुकने पर तो आपको सब सुख सुविधाएं अपने कमरे में ही मिल जाती हैं। लेकिन जब वहां बसते हैं तो रोज़मर्रा की ज़रूरत की हर चीज़ के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। शहरों की तरह नहीं कि घर से निकले और बाहर दुकान से सामान ले आए या ऑनलाइन ऑर्डर कर लिया। नज़दीकी बाज़ार के लिए भी कई किमी ऊपर-नीचे जाना पड़ता है। वहां के निवासियों को तो उतार-चढ़ाव वाले रास्तों की बचपन से आदत है, पर आपको नहीं। मेडिकल इमरजेंसी होने पर नज़दीकी अस्पताल 50 से सौ किमी दूर होता है। बरसात शुरू होती है तो हफ्तों नहीं रुकती। आए दिन होने वाले लैंडस्लाइड से रास्ते बंद हो जाते हैं। और फिर नेपाल जैसी आपदाओं का खतरा अलग।

विडंबना है कि एक तरफ उत्तराखंड के गांव खाली हो रहे, वहां के लोग बेहतर भविष्य के लिए महानगरों को पलायन कर रहे तो दूसरी तरफ शहरों के लोग सुकून की तलाश में वहां बसने के ख्वाब सजा रहे। ऐसे लोगों की कमी नहीं जो ठीक ठाक फंड जमा हो जाने पर अच्छी खासी नौकरी छोड़ या रिटायरमेंट के बाद पहाड़ों पर जाकर बस रहे हैं। हमारे साथ काम करने वाले एक साथी ने भी हाल में इस्तीफा दिया और नोएडा का अपना फ्लैट बेच मुक्तेश्वर के पास जाकर बस गए। वहां ज़मीन खरीदकर एक होम स्टे बनवा रहे हैं। अक्सर वहां की तस्वीरें भेज जलाते रहते हैं कि आप 40 डिग्री की तपन में झुलस रहे, हम यहां 17 डिग्री के सुहाने मौसम में ग्रीन टी का आनंद ले रहे हैं। ऑफर देते रहते हैं कि पास ही में प्लॉट खाली है, कहें तो बात चलाएं। उन्हें कैसे बताएं कि उनकी और चंदर की कहानी सपनों को पंख तो लगा रही पर हिमालय की त्रासदी आइना भी दिखा रही। फैसला वक्त पर ही छोड़ देते हैं।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

आज का राशिफल

मेष
आज खर्चों में संतुलन और बातचीत में धीरज बनाए रखना होगा। पैसों की स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन छोटे-छोटे खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है। तनाव दूर करने या दिखावे के लिए पैसा खर्च करने से बचें। बकाया भुगतानों का सही हिसाब रखने से आपको राहत मिलेगी।

वृष
आज बचत का ध्यान और काम में मजबूती दिखाना होगा। आज अपनी वित्तीय प्राथमिकताओं को तय करने का अच्छा अवसर है। आप बचत, पारिवारिक खर्चों या किसी बड़ी खरीदारी पर गंभीरता से विचार कर सकते हैं। दूसरों के प्रभाव में आकर जल्दबाजी में निर्णय न लें। आपकी निरंतरता ही आज आपकी सबसे बड़ी ताकत है।

मिथुन
आज जल्दबाजी से बचाव और काम की प्राथमिकता रखे। पैसों से जुड़े कई छोटे मामले एक साथ ध्यान खींच सकते हैं। नए अवसरों को लेकर उत्साह रहेगा, लेकिन बिना सोचे-समझे खर्च करने की प्रवृत्ति भी आ सकती है। कहीं भी धन लगाने से पहले विचार अवश्य करें।

कर्क
आज लंबे समय की सोच और दफ्तर में सम्मान मिलेगा। भविष्य के लिए बचत बढ़ाने या किसी बड़े खर्च की योजना बनाने का विचार बनेगा। परिवार के साथ पैसों के मुद्दे पर बातचीत से सही समाधान निकलेगा। आपकी समझदारी कार्यस्थल के वातावरण को सहज बनाए रखने में मदद करेगी।

सिंह
आज दिखावे से दूरी और दिशा की समझना होगा। आज वितीय सुरक्षा को लेकर विचार बढ़ सकता है। आपकी राशि में सूर्य और केतु की उपस्थिति से आप पुरानी प्राथमिकताओं और खर्चों का पुनर्मूल्यांकन करेंगे। व्यावहारिक सोच अपनाएं और अचानक कोई बड़ा कदम न उठाएं।

कन्या
आज सही हिसाब और काम में निखार आएगा। वित्तीय स्थिति के बारीक आकलन में मदद करेगा। बजट की समीक्षा, खातों की जांच और पुरानी कमियों को सुधारने के लिए दिन अनुकूल है। आज का एक छोटा सा सुधार भविष्य के बड़े खर्चों से बचाएगा।

तुला
आज लेन-देन में संतुलन और मीठी बोली फायदेमंद होगी। आज सुख-सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित रहेगा। आकर्षक चीजों पर खर्च करने की इच्छा हो सकती है। तात्कालिक आनंद के स्थान पर वित्तीय संतुलन बनाए रखने को प्राथमिकता दें। व्यावसायिक बातचीत और संवाद के लिए दिन बहुत अच्छा है।

वृश्चिक
आज छुपे खर्चों की जांच और शांत मेहनत रंग लाएगी। पैसों के मामले में मन थोड़ा गंभीर हो सकता है। आपका पूरा ध्यान बचत, सुरक्षा और पुराने लेन-देन पर रहेगा। आज आपको दूसरों को बातें समझाने के बजाय एकाग्र होकर अकेले काम करना अधिक पसंद आएगा।

धनु
आज साथियों से लाभ और सही योजना बनाना होगा। आपसी तालमेल और सलाह से वित्तीय मामले सुधरेंगे। किसी अनुभवी व्यक्ति से चर्चा करने पर निवेश या बचत को लेकर सही मार्गदर्शन मिल सकता है। केवल अति-उत्साह में आकर कोई जोखिम न उठाएं। नेटवर्किंग और टीमवर्क से नए रास्ते खुलेंगे।

मकर
आज नियम से बचत और जिम्मेदारी का काम आप इस बात पर विचार करेंगे कि करियर की प्रगति से वित्तीय स्थायित्व कैसे हासिल हो। यह जांचने का सही समय है कि आपकी वर्तमान योजनाएं आपके दीर्घकालिक लक्ष्यों के अनुकूल हैं या नहीं। धैर्य रखना ही सबसे फलदायी रहेगा।

कुंभ
आज सोच-समझकर कदम और नई योजना बनाना होगा। वित्तीय रूप से कुछ नया करने की इच्छा बढ़ा सकता है। हालांकि, कुछ अवसर जितने आकर्षक दिख रहे हैं, शायद उतने व्यावहारिक न हों। पूर्ण जानकारी प्राप्त किए बिना कहीं भी पैसा न लगाएं।

मीन
आज जिम्मेदारी का एहसास और रुका काम पूरा होगा। पैसों से जुड़ी पुरानी जिम्मेदारियों को पूरा करने का संकेत दे रहे हैं। किसी पुराने वादे या बजट पर दोबारा विचार करना पड़ सकता है। प्रगति धीमी लग सकती है, लेकिन अनुशासन से कदम बढ़ाने पर स्थिति मजबूत होगी।

संक्षिप्त समाचार

सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा- नगांव लोकसभा उपचुनाव जीतेंगे

जोरहाट, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को दावा किया कि अगर भाजपा

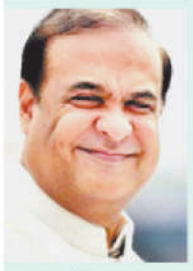

छह अक्टूबर को होने वाले नगांव लोकसभा उपचुनाव में जीत हासिल करती है, तो 2031 में अगले विधानसभा चुनाव में पार्टी राज्य की सभी 126 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज करेगी। शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि नगांव भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पारंपरिक सीट नहीं है, लेकिन पिछले एक महीने में पार्टी के पक्ष में ''स्पष्ट बदलाव'' देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि नगांव लोकसभा सीट के तहत आने वाले आठ विधानसभा क्षेत्रों में से भाजपा ने 2026 के चुनाव में मोरीगांव, राहा, जागीरोड और नगांव-बटाद्रबा में करीब 50-50 हजार मतों के अंतर से जीत हासिल की थी, जबकि विपक्षी दलों ने शेष चार रूपोहिहाट, लाहोरीघाट, धींग और सामागुड़ी में डेढ़-डेढ़ लाख से अधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज की थी। मुख्यमंत्री ने कहा, ''आइए, उपचुनाव के नतीजों का इंतजार करते हैं...अगर भाजपा यह लोकसभा सीट जीतने में सफल रहती है, तो 2031 के विधानसभा चुनाव में पार्टी राज्य की सभी 126 विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज करेगी।'' शर्मा ने कहा कि ऐसा माहौल बना है, जिसमें लोग भाजपा की ओर बढ़ रहे हैं और हर गुजरते दिन के साथ पार्टी के लिए स्थिति सकारात्मक होती जा रही है।

जरांगे पाटिल के विरोध पर फडणवीस का बड़ा बयान, बोले- 14 में से 12 मुख्य मांगें सरकार ने मानी

मुंबई, एजेंसी। मराठा आरक्षण के पैरोकार मनोज जरांगे पाटिल की मुंबई में प्रस्तावित भूख हड़ताल को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। महाराष्ट्र के शीर्ष राज्य नेताओं ने आगामी गणेशोत्सव से पहले संयम बरतने का आग्रह किया है। मंगलवार को जब जरांगे पाटिल अंतर्वाली सारथी से मुंबई के आजाद मैदान की ओर रवाना हुए तो मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने त्योहारों के चरम मौसम के दौरान सार्वजनिक कानून व्यवस्था संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए सरकार के रुख को दोहराया। पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि सरकार उनकी 14 मुख्य मांगों में से 12 को मान चुकी है, जबकि शेष मांगें विचाराधीन हैं। उन्हें इस बारे में जानकारी दी गई है। त्योहारों के दौरान, हम ऐसे निर्णयों की अपेक्षा करते हैं जिनसे जनता को असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने की प्राथमिक जिम्मेदारी पुलिस की है और पुष्टि की कि मुंबई में आंदोलन करने के लिए जरांगे पाटिल का प्रारंभिक आवेदन खारिज कर दिया गया था। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि पुलिस ने आवेदन खारिज कर दिया है। यदि नया आवेदन प्रस्तुत किया जाता है, तो वे उस पर विचार करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से पहले भाजपा ने 'सेवा संकल्प अभियान' का प्रचार शुरू किया

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 सितंबर को जन्मदिन और उनके 25 वर्ष के सार्वजनिक सेवा कार्यकाल के उपलक्ष्य में, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक चलने वाले एक विशेष माहवर्ती अभियान की घोषणा की है। भाजपा ने इसे 'सेवा संकल्प अभियान' कहा है। पार्टी से जुड़े विभिन्न संगठन इस राष्ट्रव्यापी अभियान में विभिन्न गतिविधियों और रैलियों के माध्यम से भाग लेंगे, जिसमें 'सेवा यात्रा' भी शामिल है। यह यात्रा 20 दिनों तक 40 किलोमीटर की दूरी तय करेगी और लगभग 1,159 गांवों को कवर करेगी। विभिन्न नेताओं ने बताया कि यह माहवर्ती कार्यक्रम किस प्रकार आयोजित किया जाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय समन्वयक वीडी शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्ष के सार्वजनिक सेवा काल को पूरा करने के अवसर पर, भाजपा 'सेवा यात्रा' का शुभारंभ करेगी, जो प्रधानमंत्री के जन्मदिन 17 सितंबर से शुरू होकर 7 अक्टूबर तक चलेगी। यह यात्रा सेवा के आदर्श वाक्य के साथ जनसमुदाय से जुड़ेगी। सेवा यात्री 25-25 व्यक्तियों के 10 समूहों में अपनी यात्रा शुरू करेंगे। शर्मा ने आगे कहा कि उद्घाटन सत्र में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और स्वयं प्रधानमंत्री मोदी जैसे प्रमुख नेता उपस्थित रहेंगे। भाजपा शासित सभी राज्यों के कई मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी मौजूद रहेंगे।

रुद्रप्रयाग में स्थापित होगा वेद महाविद्यालय, बीकेटीसी ने चुनी 22 नाली भूमि

देहरादून, एजेंसी। केंद्र सरकार की चारधाम चार वेद महाविद्यालय योजना के तहत उत्तराखंड में वेद महाविद्यालय की स्थापना का रास्ता साफ हो गया है. इसके लिए बीकेटीसी ने रुद्रप्रयाग के संसारी में 22 नाली जमीन का चयन किया है. संस्कृत शिक्षा विभाग अब वेद महाविद्यालय की स्थापना का कार्य आगे बढ़ाएगा.

उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में खुलेगा वेद महाविद्यालयः देश की युवा पीढ़ी को प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा, वेदों और पुराणों की शिक्षा से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार की ओर से एक बेहद दूरदर्शी और महत्वपूर्ण योजना तैयार की गई है. इस योजना के तहत देश के चारों धामों में चार वेद महाविद्यालयों की स्थापना की जानी है. इसमें से एक वेद महाविद्यालय उत्तराखंड में बदरीनाथ धाम क्षेत्र के अंतर्गत खोला जाना प्रस्तावित है. इस केंद्रीय परिकल्पना को अमलीजामा पहनाने के लिए उत्तराखंड में प्रशासनिक और धार्मिक स्तर पर तैयारियां जोरों पर शुरू हो चुकी हैं. संस्कृत शिक्षा विभाग के प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार करते हुए श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में इस प्रतिष्ठित संस्थान के लिए उपयुक्त जमीन की तलाश शुरू की थी. बीकेटीसी ने संसारी में चुनी 22 नाली भूमिः शुरुआती दौर में बीकेटीसी द्वारा प्रदेश के अन्य संचालित महाविद्यालयों और परिसरों के आसपास वेद महाविद्यालय की स्थापना की संभावनाओं का गहराई से आकलन किया गया. इस प्रक्रिया के तहत चमोली जिले के प्रसिद्ध मंडल और सिमली क्षेत्रों में भी उपयुक्त जमीन की तलाश की गई, ताकि संस्थान के लिए पर्याप्त और अनुकूल भूमि मिल सके. हालांकि, भौगोलिक और तकनीकी कारणों के चलते चमोली के इन दोनों ही स्थानों पर वेद महाविद्यालय के मानकों के अनुरूप पर्याप्त भूमि उपलब्ध नहीं हो पाई.

बीकेटीसी अध्यक्ष ने महाविद्यालय की स्थापना के बारे में बताया: इसके बाद मंदिर समिति ने अन्य विकल्पों पर विचार किया. अंततः रुद्रप्रयाग जिले के संसारी क्षेत्र में मंदिर समिति के स्वामित्व वाली 22 नाली बेशकीमती और अनुकूल भूमि का चयन किया, जो इस पवित्र और महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए हर लिहाज से सबसे उपयुक्त साबित हुई है. चयनित भूमि पर अंतिम मुहर लगाने और प्रशासनिक औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए हाल ही में बीकेटीसी की एक उच्चस्तरीय बोर्ड बैठक आयोजित की गई थी. इस बोर्ड बैठक में रुद्रप्रयाग के संसारी में 22 नाली भूमि के चयन से संबंधित प्रस्ताव को पूरी गंभीरता से रखा गया, जिस पर चर्चा के बाद इसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया. इस महत्वपूर्ण विकास के बारे में आधिकारिक वक्तव्य और ऑडियो संदेश में बीकेटीसी के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने स्पष्ट किया कि देवभूमि उत्तराखंड में वेद महाविद्यालय की स्थापना करना केंद्र और राज्य सरकार का एक अत्यंत सराहनीय, स्वागत योग्य और ऐतिहासिक कदम है.

महाविद्यालय महान संस्कारों के साथ वेद-उपनिषद की शिक्षा देगाः अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि- इस महाविद्यालय के निर्माण और सुचारू संचालन से प्रदेश और देश के युवाओं को अपनी प्राचीन संस्कृति, सनातन सभ्यता और महान संस्कारों के साथ-साथ वेद, उपनिषद और पुराणों की उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त करने का एक बेहतरीन और दुर्लभ अवसर प्राप्त होगा. मंदिर समिति की बोर्ड बैठक में भूमि प्रस्ताव को हरी झंडी मिलने के बाद, अब संस्कृत शिक्षा विभाग की ओर से इस परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए तेजी से रूपरेखा तैयार की जा रही है. शिष्य परंपरा का होगा पुनरुत्थानः विभाग और मंदिर समिति संयुक्त रूप से इसके भवन निर्माण, अत्याधुनिक सुविधाओं, पाठ्यक्रम रूपरेखा और शैक्षणिक सत्र के संचालन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं. विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और धर्म प्रेमियों का भी यही मानना है कि आज के आधुनिक युग और तकनीकी की अंधी दौड़ के बीच इस तरह के विशेष वेद महाविद्यालयों की स्थापना भारतीय दर्शन, वैदिक विज्ञान और सनातन संस्कृति के संवर्धन व संरक्षण के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी. संसारी में आकार लेने वाले इस प्रतिष्ठित महाविद्यालय में विद्यार्थियों को वेदों, ऋचाओं, उपनिषदों और पुराणों का गंभीर व विस्तृत अध्ययन कराया जाएगा, जिससे प्राचीन काल की गौरवशाली गुरु-शिष्य परंपरा का एक भव्य पुनरुत्थान देखने को मिलेगा. आने वाले दिनों में इस परियोजना के निर्माण कार्य में और अधिक तेजी आने की पूरी उम्मीद है, देश-दुनिया के सामने उभरेगा. इस योजना के धरातल पर उतरने से न केवल उत्तराखंड बल्कि देश-विदेश के जिज्ञासु विद्यार्थियों के लिए वैदिक अध्ययन के नए द्वार खुलेंगे।

मजदूर पिता ने पसीने से सींचा सपना: एक ही परिवार के पांच बच्चे बनेंगे डॉक्टर; आदिवासी परिवार का कीर्तिमान मिसाल

भुवनेश्वर, एजेंसी। गरीबी ने कदम रोकने की कोशिश की, लेकिन हौसला नहीं रोक सकी। ओडिशा के कंधमाल जिले के दारिंगबाड़ी ब्लॉक के सिकबाड़ी गांव के एक आदिवासी परिवार ने ऐसा कीर्तिमान रचा है, जो पूरे जिले के लिए मिसाल बन गया है। परिवार के चार भाई-बहन और उनकी भतीजी समेत पांच बच्चे नीट पास कर सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं। कभी दो वक्त की रोटी जुटाना भी मुश्किल था, आज इसी घर से पांच डॉक्टर बनने का सपना आकार ले रहा है।

माता-पिता ने पसीने से सींचा, नहीं डिगा संकल्प : 73 वर्षीय पिता बुरसी प्रधान ने बच्चों की पढ़ाई के लिए वर्षों तक दिहाड़ी मजदूरी की। परिवार का खर्च चलाने के लिए केरल तक जाकर मजदूरी की। घर की आर्थिक हालत ऐसी थी कि काम मिलने पर ही उस दिन की जरूरत पूरी होती थी। बुरसी व उनकी पत्नी अनुसया ने बच्चों की पढ़ाई को कभी रुकने नहीं दिया। उनके इसी त्याग का परिणाम पांच मेडिकल छात्रों के रूप में सामने है।

नीट पास कर सरकारी मेडिकल कॉलेजों में दाखिला : परिवार में डॉक्टर बनने का सफर बड़े बेटे बिभीषण प्रधान से 2021 में शुरू हुआ। उन्होंने नीट पास कर कोरापुट के मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस में दाखिला लिया। अगले साल बहन मोनालिसा भी नीट पास कर वहीं पहुंचीं। मोनालिसा ने ब्रह्मपुर की कपड़े की दुकान में काम भी किया व भाई की पढ़ाई में मदद की। इसके बाद असरिया प्रधान और सुनेमी प्रधान ने नीट पास कर सरकारी मेडिकल कॉलेजों में दाखिला लिया। इसी साल परिवार की भतीजी मिनाक्षी प्रधान ने भी नीट पास किया है।

बच्चों की पढ़ाई को दी प्राथमिकता : सात बच्चों के पिता बुरसी प्रधान के लिए यह उपलब्धि सिर्फ परिवार में पांच मेडिकल सीटें हासिल होने की कहानी नहीं है। यह उन वर्षों की मेहनत, त्याग व संघर्ष का परिणाम है, जब तंगी के बावजूद उन्होंने बच्चों की पढ़ाई को सर्वाधिक प्राथमिकता दी।

एमबीबीएस में दाखिला लेने वाली सुनेमी प्रधान कहती हैं कि हमने बचपन में ही समझ लिया था कि गरीबी क्या होती है। अपनी आर्थिक स्थिति को देखते हुए हम अपनी जरूरतों को सीमित रखने की कोशिश करते हैं। वहीं, बुरसी के भाई जिशिया ने राज्य सरकार से परिवार की आर्थिक मदद करने की अपील की है।

सीएम रेखा गुप्ता ने आशा वर्करों का मासिक प्रोत्साहन भत्ता दोगुना करके 6,000 रुपए किया

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली कैबिनेट ने मंगलवार को आशा वर्करों के लिए तय मासिक प्रोत्साहन भत्ता 3,000 से बढ़ाकर 6,000 रुपए करने का फैसला किया। यह बढ़ोतरी दिल्ली में अभी काम कर रही सभी आशा वर्करों पर लागू होगी। अन्य प्रोत्साहन भत्ते पहले की तरह ही मिलते रहेंगे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आशा वर्कर दिल्ली की प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देने के लिए घरों का दौरा करती हैं, परिवारों को टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित करती हैं और गर्भवती महिलाओं व नई माताओं की देखभाल से जुड़ी सेवाओं में मदद करती हैं। वे स्वास्थ्य और पोषण दिवस, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों, सर्वेक्षणों और सामुदायिक बैठकों में भी अहम भूमिका निभाती हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी आशा वर्करों ने महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। दिल्ली में अभी 6,725 आशा वर्कर काम कर रही हैं। आमतौर पर, हर आशा वर्कर लगभग 2,000 लोगों या 400 परिवारों से जुड़ी होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार आशा वर्करों के मानदेय में बढ़ोतरी को लेकर लगातार चर्चा कर रही थी। यह सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल था और अब इस पर फैसला ले लिया गया है। उन्होंने कहा कि मासिक प्रोत्साहन भत्ते में बढ़ोतरी आशा वर्करों के योगदान को मान्यता देने और उनकी आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे उनके काम के प्रति उत्साह बढ़ेगा और उन्हें अपनी सेवाएं जारी रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार आशा वर्करों के योगदान को मान्यता देते हुए उनकी आर्थिक सुरक्षा और काम करने की स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आशा वर्कर घर-घर जाकर लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने, टीकाकरण को बढ़ावा देने और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में सहयोग देकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

यूपी में सुभासपा ने भाजपा से 33 सीटों मांगने का किया फैसला

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोगी दल विधानसभा चुनावों को लेकर अभी से सीट की दावेदारी पेश करने लगे हैं. इसी क्रम में योगी सरकार में पंचायती राज विभाग के मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के मुखिया ओम प्रकाश राजभर ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने यूपी में 33 सीटें मांगें का फैसला किया है.

ओम प्रकाश राजभर का दावा है कि यूपी में राजभर समाज के प्रभुत्व वाली 33 सीटों को चिन्हित कर पार्टी ने इन सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करेगी. जल्दी ही भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को उक्त सीटों के नाम और उन पर चुनाव लड़ने वाले सुभासपा के उम्मीदवारों को लिस्ट सौंपी जाएगी. फिलहाल पार्टी ने इन सीटों पर बूथ स्तर पर अपने संगठन को मजबूत करना शुरू कर दिया है.

बीते तीन माह से समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव के खिलाफ हर दिन बयान

करने वाले ओम प्रकाश राजभर पिछला विधानसभा चुनावों सपा के साथ मिलकर लड़े थे. तब अखिलेश यादव ने उन्हे 18 सीटें दी थी, जिनमें से छह सीटों पर सुभासपा के उम्मीदवार चुनाव जीते थे. ओम प्रकाश राजभर, मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी, बेदी राम, हंसू राम, दूध राम और जगदीश नारायण राय चुनाव जीतने में सफल रहे लेकिन ओम प्रकाश राजभर के दोनों बेटे अरुण राजभर तथा अनिल राजभर चुनाव हार गए थे. ओम प्रकाश राजभर अपने इन दोनों बेटों को विधानसभा के सदन में पहुंचा हुआ देखना चाहते हैं. उन्हें लगता है कि भाजपा के साथ चुनावी गठबंधन कर चुनाव लड़ने से उनकी यह तमन्ना जरूर पूरी होगी. इसके साथ ही ओम प्रकाश राजभर यूपी में पार्टी का विस्तार भी करना चाहते हैं, इसके लिए उन्हे भाजपा से ज्यादा सीटें चाहिए. राजभर का कहना है कि पिछले विधानसभा चुनाव में अखिलेश ने उन्हे 18 सीटें दी थी, ऐसे में अब उन्हे सपा से दुगनी तो नहीं लेकिन 33 सीटें भाजपा से जरूर मिलनी चाहिए. राजभर समाज के प्रभुत्व वाली इन 33 सीटों पर सुभासपा का मजबूत संगठन है। इसलिए पार्टी इन सीटों को भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से अपने लिए मांगेगी. भाजपा के कब्जे वाली इन नौ सीटों पर भी दावा ओम प्रकाश राजभर के मुताबिक भाजपा से जो 33 सीटें पार्टी ने मांगने का फैसला किया है, उनमें पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा द्वारा जीती गई नौ विधानसभा सीटें भी शामिल हैं. सुभासपा ने इन सीटों का चयन जातीय समीकरणों और चुनाव को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों के विस्तृत अध्ययन के बाद किया है. भाजपा के कब्जे वाली जिन नौ विधान सभा सीटों पर सुभासपा दावेदारी करने की तैयारी में है, उनमें वाराणसी जिले की अजगरा और शिवपुर, कुशीनगर जिले की रामकोला, देवरिया जिले की रामपुर कारखाना, संतकबीर नगर जिले की घनघटा, हरदोई जिले की संडीला, बलरामपुर जिले की उतरौला, बहराइच जिले की बलह्य और सीतापुर जिले की महोली शामिल हैं. इसके अलावा, निषाद पार्टी के कब्जे वाली मिर्जापुर जिले की मझवा और कुशीनगर जिले की खड्डा विधान सभा सीट पर भी राजभर की निगाहें हैं. पार्टी ने अपनी जीती हुई छह विधान सभा सीटों के साथ ही सपा के कब्जे वाले 14 विधान सभा क्षेत्रों को अपनी सूची में शामिल किया है. फिलहाल ओम प्रकाश राजभर के इन दावे को भाजपा के प्रदेश संगठन गंभीरता से नहीं ले रही है. भाजपा नेताओं का कहना है कि चुनावों के पहले इस तरह की मांग ओम प्रकाश राजभर करते रहे हैं।

विवादित होने के बावजूद कांग्रेस के लिए उपयोगी माने जाते हैं चिंदबरम

नई दिल्ली, एजेंसी। पी. चिदंबरम भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सबसे अनुभवी, बौद्धिक और वरिष्ठ नेताओं में शुमार किए जाते रहे हैं। वे वर्तमान में राज्यसभा के सांसद हैं और पार्टी के रणनीतिक व नीतिगत मामलों में बेहद अहम भूमिका निभाते हैं। केंद्र सरकार में यूपीए के दौरान देश के वित्त मंत्री और गृह मंत्री जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाल चुके पी. चिदंबरम कई बार पार्टी के लिए संकटमोचन तो कई बार किरकिरी का कारण भी बने हैं।

मई 2004 से नवंबर 2008 तक वित्त मंत्री के रुप में बड़ी जिम्मेदारी संभाली। फिर मुंबई आतंकी हमले के बाद उन्हें देश का गृह मंत्री बनाया गया था। साढ़े तीन साल गृह मंत्रालय संभालने के बाद मनमोहन सिंह सरकार में वे दोबारा वित्त मंत्री बनाए गए, क्योंकि वे मनमोहन सिंह के

काफी करीब माने जाते थे।

आर्थिक मामलों के जानकार हैं पी. चिदंबरम : देश की आर्थिक नीतियों और वित्तीय मामलों पर पी. चिदंबरम की पकड़ बेहद मजबूत मानी जाती है। वे अब तक देश का आम बजट 7 बार संसद में पेश कर चुके हैं, जिनमें से 5 बजट उन्होंने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार में वित्त मंत्री के रूप में प्रस्तुत किए। आर्थिक विशेषज्ञता के अलावा, एक वरिष्ठ वकील होने के नाते वे आर्थिक, कानूनी और संवैधानिक मामलों में भी पार्टी के लिए मजबूत तर्क और रणनीति तैयार करते हैं। संसद का सदन हो या मीडिया का मंच, वे पार्टी के रुख को बेबाकी से रखने वाले नेताओं में गिने जाते हैं।पी. चिदंबरम वित्त समिति के साथ-साथ वित्त मंत्रालय सलाहकार समिति के सदस्य हैं। इसके अलावा भारत-इटली संसदीय मैत्री समूह के अध्यक्ष की जिम्मेदारी फरवरी 2026 से संभाल रहे हैं। चिदंबरम अपनी स्वतंत्र सोच और बेबाक शैली के लिए जाने जाते हैं, लेकिन कई बार उनके व्यक्तिगत विचार पार्टी लाइन से अलग दिखते हैं। इसके कारण कांग्रेस को राजनीतिक रूप से डैमेज कंट्रोल भी करना पड़ता है। हाल ही में ब्रिक्स सम्मेलनों के औचित्य पर सवाल उठाने वाले उनके बयान पर काफी विवाद खड़ा हो गया था। उन्होंने कहा था कि पिछले कुछ ब्रिक्स सम्मेलनों से भारत को कोई प्रत्यक्ष लाभ नहीं दिखा, जिसके बाद बीजेपी ने उन पर तीखे हमले बोले। हालांकि बाद में कांग्रेस ने आधिकारिक पत्र जारी कर ब्रिक्स को महत्वपूर्ण बताते हुए स्थिति स्पष्ट की। पी. चिदंबरम अपने राजनीतिक जीवन में कई मौकों पर तीखे बयानों को लेकर चर्चा में रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'दिमागी नक्सल' वाली टिप्पणी पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा था कि यदि विरोधियों को ऐसा कहा जाता है, तो वे खुद को 'दिमागी नक्सल' कहने में गर्व महसूस करते हैं। इसके अलावा, साल 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के वक्त उन्होंने कहा था कि अगर कश्मीर हिंदू-बहुल राज्य होता तो सरकार यह कदम नहीं उठाती, जिस पर भारी राजनीतिक बवाल मचा था।

दिशा सालियान केस में पेनड्राइव और डिजिटल सबूत से खुलेगा राज: वकील नीलेश ओझा

मुंबई, एजेंसी। दिशा सालियान केस में सीबीआई की एफआईआर के बाद सतीश सालियान के वकील नीलेश ओझा ने कहा है कि मामले में हाईकोर्ट के आदेश से ही जांच के करीब 80 फीसदी पहलू स्पष्ट हो चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि हाईकोर्ट के आदेश में ऐसे 10 बिंदुओं का उल्लेख है, जिनसे पुलिस की पूर्व रिपोर्ट पर सवाल उठते हैं। अब दिशा के पिता सतीश सालियान की ओर से दिए गए बयानों और अन्य डिजिटल साक्ष्यों को सीबीआई के सामने रखा जा रहा है। नीलेश ओझा ने कहा कि सतीश सालियान ने अपने बयान में कई महत्वपूर्ण जानकारियां विस्तार से दी हैं, जिनका उल्लेख एफआईआर में भी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा कुछ अतिरिक्त सामग्री भी मौजूद है, जिसे जांच एजेंसी को सौंपने की तैयारी की जा रही है। एक प्रत्यक्षदर्शी की गवाही से संबंधित पेनड्राइव या अन्य डिजिटल साक्ष्य कवरिंग लेटर के साथ सीबीआई को सौंपने का प्रयास किया जा रहा है।

ओझा ने दावा किया कि ये सामग्री आदित्य ठाकरे और अन्य लोगों से जुड़े आरोपों की जांच में महत्वपूर्ण हो सकती है। उन्होंने कहा कि सीबीआई के पास पहले से भी इस मामले से संबंधित काफी सामग्री है। साथ ही उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत मामले से जुड़े कुछ पहलुओं का भी जिक्र किया। उन्होंने यह भी दावा किया कि एक प्रत्यक्षदर्शी ने शुरुआत से ही पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए थे। उन्होंने पूर्व पुलिस अधिकारियों और पुलिस व्यवस्था से जुड़े लोगों के संबंध में भी गंभीर आरोप लगाए। ओझा ने दिशा के बचपन के दो दोस्तों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सतीश सालियान का इन दोनों के प्रति

पारिवारिक लगाव है, क्योंकि वे बचपन से दिशा के घर आते-जाते थे। वकील के मुताबिक, एक कथित प्रत्यक्षदर्शी ने उस समय यह भी कहा था कि प्रभावशाली लोगों के खिलाफ लड़ना मुश्किल होगा। ओझा ने कहा कि मामले के बाकी तथ्य अब सीबीआई की जांच में सामने आने चाहिए।

जांच के तरीके को लेकर नीलेश ओझा ने कहा कि यदि वे जांच अधिकारी होते तो घटनास्थल पर मौजूद लोगों और सुरक्षा से जुड़े कर्मचारियों को अलग-अलग बुलाकर पूछताछ करते। सीसीटीवी और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुराने बयानों में विरोधाभास सामने आने पर संबंधित लोगों से पूछा जा सकता है कि वे गवाह बनकर सच बताना चाहते हैं या आरोपी के रूप में जांच का सामना करना चाहते हैं। सचिन वाझे के कथित तौर पर गवाह बनने की इच्छा जताने के सवाल पर ओझा ने कहा कि उनकी ओर से पहले भी प्रस्ताव आया था। वाझे ने दिशा सालियान और सुशांत सिंह राजपूत मामलों से संबंधित जानकारी होने की बात कही थी। ओझा ने एक अन्य पुलिस अधिकारी का भी जिक्र किया और कहा कि 25 अगस्त को एनआईए कोर्ट में हुई कार्यवाही के दौरान सचिन वाझे से संबंधित कुछ बातें सामने आई थीं।

यूपी कैबिनेट में 23 अहम प्रस्तावों पर लगी मुहर, एक्सप्रेसवे से लेकर शिक्षा और रोजगार तक लिए गए बड़े फैसले

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर हुई बैठक में विकास और जनकल्याण से जुड़े 23 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। फैसलों में चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे, परिषदीय विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल बनाने, खिलौना उद्योग को बढ़ावा देने, किसानों को सस्ती दर पर ऋण और पूर्व अग्निवीरों को सरकारी भर्ती में आरक्षण देने जैसे महत्वपूर्ण प्रस्ताव शामिल हैं। बैठक में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, रोजगार, कृषि, स्वास्थ्य और औद्योगिक विकास को लेकर भी निर्णय लिए गए। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रेसवार्ता में स्वीकृत प्रस्तावों की जानकारी दी।

कैबिनेट में चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे को विकसित करने के लिए संशोधित परियोजना प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। 15.172 किलोमीटर लंबे प्रवेश नियंत्रित छह लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण ईपीसी मोड पर कराया जाएगा। परियोजना की अनुमानित लागत 1,008.67 करोड़ रुपये है, जिसका पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। निर्माणकर्ता के चयन के लिए ग्लोबल बिड आमंत्रित की जाएगी। इससे बुंदेलखंड से चित्रकूट धाम तक आवागमन सुगम होने और पर्यटन को गति मिलने की उम्मीद है। बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रण वाले परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों को स्मार्ट स्कूल के रूप में विकसित करने

के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। इससे सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने और विद्यार्थियों को आधुनिक शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम होगा। मुख्यमंत्री कृषक समृद्धि योजना के तहत लघु एवं सीमांत किसानों को रियायती ब्याज दर पर दीर्घकालिक ऋण उपलब्ध कराने का फैसला किया गया। उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड के माध्यम से किसानों को छह लाख रुपये तक का ऋण छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर लंबी अवधि के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इससे किसानों को कृषि और ग्रामीण जरूरतों के लिए सस्ती दर पर वित्तीय सहायता मिल सकेगी।

योगी कैबिनेट ने पूर्व अग्निवीरों को उत्तर प्रदेश जेल वार्डन की सीधी भर्ती में 20 प्रतिशत पद आरक्षित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके साथ ही पूर्व अग्निवीरों को प्रवर्तन सिपाही (परिवहन) कि सीधी भर्ती में 20 प्रतिशत पदों पर क्षैतिज एवं आयु सीमा में छूट देने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति मिली। इन फैसलों से सैन्य सेवा पूरी कर चुके युवाओं को सरकारी रोजगार के अवसर मिलेंगे। प्रांतीय रक्षक दल (पीआरडी) के स्वयंसेवकों और उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को मुख्यमंत्री पीआरडी कैशलेस चिकित्सा योजना के तहत कैशलेस इलाज की सुविधा देने का निर्णय हुआ। इससे पीआरडी जवानों और उनके परिवारों को उपचार के दौरान आर्थिक राहत मिलेगी। कैबिनेट बैठक में उत्तर प्रदेश खिलौना विनिर्माण प्रोत्साहन नीति-2025 को मंजूरी दी गई। इस नीति से प्रदेश में खिलौना निर्माण उद्योग को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने और रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में मदद मिलेगी। उत्तर प्रदेश के अभियांत्रिकी विभागों में कार्य के त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन के लिए वित्तीय नियमों के तहत अधिकारियों के वित्तीय अधिकारों की सीमा बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली। उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने औद्योगिक, मत्स्य, सुरक्षा, ग्रामीण विकास और शहरी विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी है। कैबिनेट ने जनपद मथुरा स्थित उत्तर प्रदेश राज्य चीनी निगम लिमिटेड की छाता शुगर कंपनी लिमिटेड में कंसेशन-कम-लीज के माध्यम से 120 केएलपीडी क्षमता के एथेनॉल उत्पादन संयंत्र की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भर: पीएचएफ

नई दिल्ली । पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) के प्रमुख मोहिउद्दीन अहमद वानी ने कहा है कि अगले महीने होने वाली हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भर है। मेन्स एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होनी है। इसमें भारत, चीन, जापान, मलेशिया और कोरिया के साथ ही पाकिस्तान को भी हिस्सा लेना है। पाकिस्तान के नहीं आने की स्थिति में ओमान या बांग्लादेश को मौका दिया जा सकता है। दोनों टीमों को फिलहाल रिजर्व टीम के रूप में रखा गया है। पाकिस्तान के दैनिक अंग्रेजी समाचार पत्र 'डॉन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वानी ने कहा, 'पाकिस्तान टीम का दौरा सरकारी मंजूरी पर निर्भर करेगा। सरकार हमसे जो भी करने को कहेगी, हम वही करेंगे। '

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान अगले महीने टूर्नामेंट के लिए भारत आएगा। मल्टी-नेशनल टूर्नामेंट में कोई दिक्कत नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज नहीं हो सकती।

उन्होंने केंद्र सरकार की नीति का जिक्र करते हुए बताया कि भारत और पाकिस्तान मल्टीनेशनल इवेंट्स में हिस्सा ले सकते हैं।

ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलना मेरे लिए बड़ा पल, जिंदगी में इतना बड़ा स्टेडियम कभी नहीं देखा था: टिलेमैन्स

नई दिल्ली । मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के नए मिडफील्डर यूरी टिलेमैन्स का कहना है कि ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलना फुटबॉल के सबसे खास अनुभवों में से एक है। उन्होंने याद किया कि जब वह एस्टन विला के लिए खेलते थे और पहली बार विरोधी खिलाड़ी के रूप में इस प्रतिष्ठित स्टेडियम में उतरे थे, तो वहां का माहौल देखकर काफी प्रभावित हुए थे। जुलाई में, मिडफील्डर ने जून 2031 तक मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। पिछले सीजन में उन्होंने एस्टन विला के लिए सात असिस्ट किए और अपने क्लब को यूईएफए यूरोपा लीग जीतने में मदद की, जिसमें उन्होंने एससी फ्रीबर्ग के खिलाफ फाइनल में पहला गोल किया। उन्होंने जियोहॉटस्टार को बताया, 'मैनचेस्टर यूनाइटेड एक बहुत बड़ा क्लब है। ओल्ड ट्रैफर्ड में पहली बार विरोधी टीम के तौर पर खेलना मेरे लिए एक बड़ा पल था। मैंने अपनी जिंदगी में इतना बड़ा स्टेडियम कभी नहीं देखा था। माहौल, भीड़, इसके बारे में सब कुछ कमाल का था। यह ऐसी जगह है जहां हर फुटबॉलर खेलने का सपना देखता है। '

बेल्जियम के स्टार मिडफील्डर यूरी टिलेमैन्स अब मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ी के रूप में ओल्ड ट्रैफर्ड के माहौल का अनुभव करने के लिए उत्साहित हैं। यूनाइटेड 2026-27 प्रीमियर लीग सीजन में मिश्रित शुरुआत के बाद लय हासिल करने की कोशिश कर रहा है। टीम ने लीग के अपने पहले चार मैचों में चार अंक जुटाए हैं। यूनाइटेड को हल सिटी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, इसके बाद टीम ने इप्सविच टाउन को 5-2 से हराया। वहीं, एवर्टन के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ रहा, जबकि मैनचेस्टर डर्बी में उसे मैनचेस्टर सिटी से 0-1 की हार मिली।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे को 59 रन से हराया

हरारे। ऑस्ट्रेलिया ने हरारे स्पोर्ट्स क्लब में मंगलवार को खेले गए पहले वनडे मैच में जिम्बाब्वे को 59 रन से हराया। इसी के साथ मेहमान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। सीरीज के शेष मुकाबले 18 और 20 सितंबर को खेले जाने हैं। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 294 रन बनाए। इस टीम को 10 के स्कोर पर ट्रेविस हेड (4) के रूप में पहला झटका लग गया था, जिसके बाद कप्तान मिचेल मार्श ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए

50 रन की साझेदारी की। मार्श 28 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 36 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद जोश इंगलिस मैदान पर उतरे, लेकिन टीम के खाते में 4 रन से ज्यादा नहीं जोड़ सके। हालांकि, कूपर (51 रन) अर्धशतक लगाने में सफल रहे।टीम को 107 के स्कोर पर चौथा झटका लग गया था। यहां से मैट रेनेशॉ ने एलेक्स कैरी के साथ पांचवें विकेट के लिए 72 रन जुटाए, जबकि ओलिवर पीक के साथ छठे विकेट के लिए 75 रन जोड़कर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाईकैरी 27 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रेनेशॉ ने 94 गेंदों में 3 छक्कों और 7 चौकों के साथ 109 रन की पारी खेली। यह उनके वनडे करियर का पहला शतक रहा। ओलिवर ने टीम के खाते में 30 रन का योगदान दिया।

यूईएफए ने 2028 और 2029 चैंपियंस लीग फाइनल के वेन्यू किए तय

- म्यूनिख और कैंप नोउ को मिली मेजबानी

न्योन। यूईएफए ने 2028 और 2029 चैंपियंस लीग फाइनल के आयोजन स्थलों की पुष्टि कर दी है। म्यूनिख फुटबॉल एरिना और बार्सिलोना का कैंप नोउ प्रतिष्ठित यूरोपीय क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल की मेजबानी करेंगे। 2028 का खिताबी मैच म्यूनिख फुटबॉल एरिना में खेला जाएगा, जबकि 2029 संस्करण बार्सिलोना के कैंप नोउ में होगा। म्यूनिख के स्टेडियम को प्रमुख चैंपियंस लीग आयोजनों की मेजबानी करने का काफी अनुभव है। इसने साल 2012 में और फिर 2025 में फाइनल का आयोजन किया ।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग: पाकिस्तानी को पछाड़ दूसरे स्थान पर पहुंचे अभिषेक

- बुमराह और वरुण को भी फायदा
- अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने रैंकिंग में सुधार किया

दुबई, एजेंसी। अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में भारत के शानदार प्रदर्शन का असर खिलाड़ियों की ताजा आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी दिखाई दिया है। तीन मैचों की सीरीज में भारत ने शुरुआती दो मुकाबले जीतकर अजेय बढ़त बना ली है। इन दोनों मैचों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन के बाद कई खिलाड़ियों ने रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है।

टी20 विश्व कप के मौजूदा चैंपियन भारत के खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अपनी स्थिति मजबूत की है। बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा को सबसे बड़ा फायदा हुआ है, जबकि गेंदबाजों में वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल ने रैंकिंग में सुधार किया है।

अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के पहले मुकाबले में अभिषेक शर्मा ने शानदार 82 रन की पारी खेली थी। इस पारी का फायदा उन्हें ताजा टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में मिला है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने एक स्थान की छलांग लगाई और पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को पीछे छोड़ते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गए। अब उनसे आगे सिर्फ भारत के ईशान किशन हैं। ईशान और अभिषेक के बीच रेटिंग अंकों का अंतर भी ज्यादा नहीं है। दोनों के बीच 51 रेटिंग अंकों का अंतर है। ऐसे में सीरीज के बाकी मुकाबलों में प्रदर्शन अभिषेक के लिए रैंकिंग के लिहाज से महत्वपूर्ण हो सकता है।

वरुण चक्रवर्ती पांचवें नंबर पर

गेंदबाजों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी भारतीय खिलाड़ियों की स्थिति मजबूत हुई है। वरुण चक्रवर्ती ने दो स्थान की छलांग लगाकर शीर्ष पांच में जगह बना ली है। वरुण अब पांचवें स्थान पर हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ शुरुआती दो मुकाबलों में उनके प्रदर्शन ने इस सुधार में भूमिका निभाई है। जसप्रीत बुमराह ने भी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। भारतीय तेज गेंदबाज सात स्थान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

अर्शदीप और अक्षर भी ऊपर चढ़े

भारत के एक और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने भी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। वह 11 स्थान ऊपर चढ़कर 14वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने भी अपनी स्थिति में सुधार किया है। वह छह स्थान ऊपर चढ़कर 27वें नंबर पर पहुंच गए हैं। इस तरह अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के शुरुआती दो मैचों के बाद भारत के चार गेंदबाजों को टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ है।

अजमतुल्लाह ओमरजई को भी फायदा

अफगानिस्तान की ओर से ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई ने रैंकिंग में ध्यान खींचा है। 26 वर्षीय उमरजई ने सीरीज के पहले मुकाबले में नाबाद अर्धशतक लगाया था। उनकी इस पारी के बाद ताजा टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडरों की रैंकिंग में उन्हें फायदा हुआ है। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की सीरीज में भारत शुरुआती दो मुकाबले जीत चुका है। इस प्रदर्शन का फायदा जहां भारतीय खिलाड़ियों को रैंकिंग में मिला है, वहीं अफगानिस्तान के उमरजई ने भी अपने प्रदर्शन से सुधार किया है।ताजा आईसीसी रैंकिंग में वनडे में भी कई बदलाव हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को भी इसमें फायदा हुआ है।

पूर्व बार्सिलोना स्टार फिलिप कूटिन्हो दिसंबर तक सैंटोस एफसी से जुड़े

सैंटोस । ब्राजीलियाई क्लब सैंटोस एफसी ने लिवरपूल और बार्सिलोना के पूर्व प्लेमेकर फिलिप कूटिन्हो को 'फ्री ट्रांसफर' पर साइन किया है। क्लब ने मंगलवार को यह घोषणा की। 34 वर्षीय खिलाड़ी का यह कॉन्ट्रैक्ट दिसंबर तक के लिए है। सैंटोस ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'अपनी बेहतरीन तकनीकी गुणवत्ता और दृष्टिकोण के साथ-साथ यूरोप और ब्राजीलियाई राष्ट्रीय टीम के साथ शानदार करियर वाला यह मिडफील्डर 2026 के अंत तक के कॉन्ट्रैक्ट के साथ टीम में शामिल हो रहे हैं।' फरवरी में मानसिक थकान का हवाला देते हुए 'वास्को दा गामा' से अलग होने के बाद कूटिन्हो किसी क्लब के साथ नहीं थे। कूटिन्हो के मुताबिक, उन्हें क्लब में लाने में उनके पुराने दोस्त नेमार ने अहम भूमिका निभाई है। दोनों ब्राजील के लिए यूथ और सीनियर दोनों स्तरों पर एक साथ खेल चुके हैं, जिसमें फीफा वर्ल्ड कप 2018 भी शामिल है। कूटिन्हो ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'नेमार ने निश्चित रूप से मेरे जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वह बचपन से ही मेरे दोस्त रहे हैं। जब मैंने वास्को दा गामा छोड़ा, तो फुटबॉल की दुनिया में सबसे पहले उन्होंने ही मुझे मैसेज किया था। उन्होंने कहा कि साथ खेलना अच्छा रहेगा, लेकिन उस समय मैं ऐसा नहीं कर सकता था, उस समय मेरी स्थिति ठीक नहीं थी।

दूसरा टी20

कैटी मैक का तूफान

भारतीय टीम को 30 रन से मात देकर ऑस्ट्रेलिया-ए की सीरीज में अजेय बढ़त

न्यू चंडीगढ़। ऑस्ट्रेलिया-ए ने भारत-ए के खिलाफ मंगलवार को न्यू चंडीगढ़ में खेले गए अनाधिकारिक टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले को 30 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेहमान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलिया-ए ने सीरीज का पहला मैच 6 विकेट से अपने नाम किया था। अब अंतिम मुकाबला 17 सितंबर को खेला जाएगा। मंगलवार को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। कैटी मैक और रेचल ट्रेनामन की जोड़ी ने मेजबान टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों के बीच पहले विकेट के लिए 9 ओवरों में 75 रन की साझेदारी हुई।रेचल 25 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 37 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जिसके बाद कैटी ने चार्ली नॉट के साथ दूसरे विकेट के लिए 38 रन जोड़े। चार्ली 20 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 26 रन बनाकर आउट हुईं। यहां से अनिका लीरॉयड ने कैटी के साथ तीसरे विकेट के लिए 65 रन जुटाकर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया।

कैटी 60 गेंदों में 83 रन बनाकर नाबाद रहीं। उनकी इस पारी में 11 चौके शामिल रहे, जबकि अनिका ने 16 गेंदों में 24 रन की नाबाद पारी खेली। भारत की तरफ से दोनों विकेट निकी प्रसाद के हाथ लगे।

इसके जवाब में भारतीय टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 148 रन ही बना सकी। टीम को 9 के स्कोर पर दिनेश वृंदा (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा, जिसके बाद शिप्रा गिरी ने सुजाता के साथ दूसरे विकेट के लिए 16 रन की साझेदारी की, लेकिन 29 के स्कोर तक सुजाता (8) के साथ शिप्रा (13) भी पवेलिन लौट गईं।

विमेंस टी20 रैंकिंग: 800 रेटिंग के साथ श्री चरणी ने

टी20 फॉर्मेट में इतिहास रचा

- दीप्ति चार पायदान ऊपर चढ़ीं

नई दिल्ली। श्री चरणी ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह मंगलवार को जारी आईसीसी टी20 रैंकिंग में 800-रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय गेंदबाज बन गईं। यह उपलब्धि एशिया कप 2026 के फाइनल में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद मिली है। चरणी ने श्रीलंका के विरुद्ध खिताबी मुकाबले में सिर्फ 20 रन देकर 4 विकेट हासिल करते हुए पूरे टूर्नामेंट में कुल 12 विकेट चटकाए थे। अब चरणी की रेटिंग 804 है, जिससे शीर्ष पर उनकी स्थिति और मजबूत हुई है। श्री चरणी यह आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय गेंदबाज और कुल मिलाकर तीसरी गेंदबाज बन गई हैं। महिला टी20 में गेंदबाजों के लिए अब तक की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मेगन शट के नाम है, जिन्होंने शीर्ष पर रहते हुए 806 रेटिंग हासिल की थी। श्री चरणी ने एक कैलेंडर ईयर में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक विकेट लेने का पूनम यादव का रिकॉर्ड तोड़ा था। वह टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में 800 रेटिंग हासिल करने वाली तीसरी गेंदबाज हैं; उनसे पहले पूर्व नंबर 1 सोफी एक्लेस्टोन 802 रेटिंग तक पहुंच चुकी थीं।

एक तरफ, चरणी शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर रही हैं, तो दूसरी ओर स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा उनकी जगह के लिए एक मजबूत दावेदार के तौर पर उभरी हैं। दीप्ति ने एशिया कप फाइनल में 19 रन देकर 3 विकेट लिए और 14 विकेट के साथ टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं। वह चार पायदान ऊपर चढ़कर 729 रेटिंग के साथ गेंदबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। हालांकि, हमवतन खिलाड़ी चरणी से काफी पीछे हैं।

फाइनल में मैच जिताऊ 68 रन की पारी खेलने के बाद शेफाली वर्मा टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक पायदान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। इसके साथ ही, शेफाली टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑल-राउंडर्स की सूची में भी पांच स्थान ऊपर चढ़कर 15वें नंबर पर पहुंच गईं।

एशियन गेम्स : भारत की तैयारी पूरी, इस बार और भी मजबूत तैयारी

नई दिल्ली । एशियन गेम्स 2026 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। 19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में भारत के 503 खिलाड़ी मेडल के लिए जोर लगाते हुए नजर आएंगे। भारत इस बार कुल 35 खेलों में हिस्सा लेने वाला है। हालांकि, कुछ खेल ऐसे हैं, जिनमें देश को मेडल जीतने की पूरी संभावना है। आइए ऐसे ही पांच खेलों के बारे में आपको बताते हैं। एथलेटिक्स: एशियन गेम्स के इतिहास में भारत ने सबसे ज्यादा मेडल एथलेटिक्स में हासिल किए हैं। इस खेल में भारत ने एशियन गेम्स के 19 संस्करण में अब तक कुल 85 गोल्ड, 102 सिल्वर और 96 ब्रॉन्ज समेत कुल 283 मेडल जीते हैं।

नीरज चोपड़ा की गैरमौजूदगी के बावजूद, इस खेल में भारत को मुरली श्रीशंकर, गुलवीर सिंह, अविनाश साबले, तजिंदरपाल सिंह, पारुल चौधरी, राजेश रमेश और रोहित यादव से मेडल की उम्मीद होगी। निशानेबाजी: एथलेटिक्स के बाद एशियन गेम्स के इतिहास में भारत को सबसे ज्यादा कामयाबी इसी खेल में मिली है। भारतीय खिलाड़ी हर बार की तरह इस बार भी निशानेबाजी में देश को ज्यादा से ज्यादा मेडल दिलाने का प्रयास करेंगे। निशानेबाजी में भारत ने अब तक कुल 80 मेडल जीते हैं, जिसमें 16 गोल्ड, 30 सिल्वर और 34 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। पिछले एशियन गेम्स में निशानेबाजी में भारत ने कुल 22 मेडल जीते थे। इस खेल में मनु भाकर को भारत की सबसे बड़ी उम्मीद माना जा रहा था। मनु के अलावा, ईशा सिंह, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, आशी चौकसे, सुरुचि से भी मेडल की आस होगी।

रेसलिंग: भारत को रेसलिंग से भी एशियन गेम्स 2026 में कई मेडल की उम्मीद होगी। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में रेसलिंग के खेल को शामिल नहीं किया था, ऐसे में भारतीय पहलवान एशियन गेम्स में दमदार प्रदर्शन करने को बेकरार होंगे। एशियन गेम्स के इतिहास में भारत ने इस खेल में अब तक कुल 65 मेडल जीते हैं, जिसमें 11 गोल्ड, 15 सिल्वर और 39 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे हैं। अमन सहरावत, अंतिम पंघाल, दीपक पूनिया, मनीषा, सुजीत कलकल इस खेल में देश के लिए मेडल लाने की सबसे बड़ी उम्मीद होंगे।

बॉक्सिंग: कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए भारतीय मुक्केबाजों ने एशियन गेम्स 2026 के लिए नई उम्मीद जगा दी है। कॉमनवेल्थ गेम्स गई भारतीय मुक्केबाजी टीम का हर सदस्य मेडल लेकर आया था। महिला मुक्केबाज साक्षी चौधरी, प्रीति पवार, लवलीना बोरगोहेन से दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। वहीं, जदुमणि सिंह, सचिन सिवाच, अंकुश और नरेंद्र बेरवाल मेडल लाने के सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे हैं।

क्रिकेट: एशियन गेम्स 2026 में क्रिकेट को शामिल किया गया है। भारतीय मेंस और विमेंस क्रिकेट टीम के मजबूत स्क्वॉड और हालिया प्रदर्शन को देखते हुए इस खेल में मेडल पक्का माना जा रहा है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में हाल ही में एशिया कप जीतने वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम 18 सितंबर को टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेलेगी। वहीं, पुरुष क्रिकेट टीम 28 सितंबर को अपना पहला मैच खेलेगी। पिछले एशियन गेम्स में भारत की पुरुष और महिला टीम ने गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया था।

लक्ष्य तय कर उसे पाने के लिए संकल्प के साथ प्रयास करें

देश के विकास में योगदान देकर सच्चे भारतीय का कर्तव्य निभाएं : कमिश्नर

रीवा 16 सितम्बर 2026. कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह ने शासकीय कन्या महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन रोजगार मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कमिश्नर ने कहा कि हर विद्यार्थी अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करे। ईश्वर ने हमें अद्वितीय शक्ति और क्षमता दी है। इसके अनुरूप लक्ष्य तय करके उसे प्राप्त करने के लिए पूरे आत्मविश्वास, संकल्प और लगन के साथ प्रयास करें। हर चुनौती और लक्ष्य हमारी क्षमता से छोटी होती है। अपने समय को सकारात्मक विचारों और कार्यों में लगाएं। अपने जीवन की कमियों को दूर करके बेहतर इंसान बनें। कठिनाईयों से भागने से वे दुगना होती हैं। कठिनाईयों का सामना करने पर ही जीवन में निखार आता है। कठिन संघर्ष और लगातार

प्रयासों से ही सफलता मिलती है। छात्राएं अपनी रूचि, क्षमता और परिस्थितियों के अनुसार लक्ष्य तय करें।

कमिश्नर ने कहा कि इस देश का हर नागरिक भारतीय है। भारतीय होने के नाते हम सबका कर्तव्य है कि देश को विकसित और शक्तिशाली बनाएं। देश में शांति और सुरक्षा बनी रहे इसके लिए प्रयास करें। हम सब समाज और देश को कुछ ऐसा योगदान दें जिसे आने वाली पीढ़ी भी याद रखे। हर व्यक्ति देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी का ठीक से निर्वहन करने लगे तो बहुत सारी समस्याएं दूर हो जाएंगी और देश के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। ईश्वर ने हमें जो शक्ति और क्षमता दी है उसका सही उपयोग करें। हर विद्यार्थी अनुशासन, समय का सही प्रबंधन और गुरूओं का सम्मान करते हुए शिक्षा प्राप्त करे तो जीवन बेहतर हो जाएगा। सफलता के लिए संसाधनों से अधिक महत्वपूर्ण लक्ष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता होती है। छात्राएं हर दिन अपने आप से यह सवाल पूछे कि जीवन में मुझे क्या बनना है, यही प्रश्न आपके कॅरियर की दिशा तय करेगा। कॅरियर मेले तथा प्रशिक्षण से लाभ लेकर अपना जीवन बेहतर बनाएं। कमिश्नर ने छात्राओं के कॅरियर मार्गर्शन से जुड़े प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

कार्यक्रम में अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा महेन्द्रमणि द्विवेदी ने कहा कि कमिश्नर सर की अनूठी पहल से संभाग के सभी जिलों में विद्यार्थियों को कॅरियर मार्गदर्शन के लिए निःशुल्क कोचिंग स्कूलों तथा कालेजों में दी जा रही है। डॉ. अमरजीत सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कॅरियर मार्गदर्शन के संबंध में अपने विचार रखे। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन के तहत हर महीने रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं। कन्या महाविद्यालय में 20 कंपनियों के प्रतिनिधि युवाओं का चयन करेंगे। इसमें गुजरात, मंडीदीप, बैंग्लोर तथा स्थानीय कंपनियाँ शामिल हैं। सफल स्वरोजगारी चेतना मिश्रा ने उद्यमिता तथा उद्यम संचालन के संबंध में प्रेरक विचार रखे। कार्यक्रम में प्रोफेसर आरपी गुप्ता ने प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी दी। इसके बाद कमिश्नर ने विभिन्न स्टालों का भ्रमण किया। कार्यक्रम का समापन प्राचार्य श्रीमती विभा श्रीवास्तव द्वारा आभार प्रदर्शन से हुआ।

उप मुख्यमंत्री आज आएंगे रीवा, सेवा संकल्प अभियान का करेंगे शुभारंभ

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल 17 सितम्बर को रीवा आएंगे। उप मुख्यमंत्री 16 सितम्बर को रात 1.35 बजे सागर से रेवांचल एक्सप्रेस ट्रेन से प्रस्थान कर 17 सितम्बर को सुबह 8 बजे रीवा पहुंचेंगे। उप मुख्यमंत्री सुबह 10 बजे कृष्णा राज कपूर आडिटोरियम पहुंचकर सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित विशाल रक्तदान शिविर का शुभारंभ करेंगे। उप मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे अटल कुंज पहुंचकर वहाँ आयोजित सुंदरकाण्ड पाठ में शामिल होंगे। उप मुख्यमंत्री शाम 7 बजे पचमठा में सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित आशीर्वाद का दीपक कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। उप मुख्यमंत्री रात्रि विश्राम रीवा में करेंगे।

सेवा संकल्प अभियान में रक्तदान शिविर आज

रीवा। सेवा संकल्प अभियान जिले भर में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। अभियान का शुभारंभ पीड़ित मानवता की सेवा के लिए स्वैच्छिक रक्तदान शिविर से किया जा रहा है। जिला स्तरीय रक्तदान शिविर कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में 17 सितम्बर को सुबह 9 बजे से आयोजित किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल सेवा संकल्प अभियान तथा रक्तदान शिविर का शुभारंभ करेंगे। इस शिविर में सेवा संकल्प अभियान के लिए नियुक्त किए गए प्रभारी अधिकारी अतिरिक्त मुख्य सचिव तथा कृषि उत्पादन आयुक्त श्री केसी गुप्ता भी शामिल होंगे। शिविर में 700 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य रखा गया है।

इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान में जिला स्तर के साथ-साथ सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भी रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें सौ-सौ यूनिट रक्त संचय का लक्ष्य रखा गया है। कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में रक्तदान शिविर के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीमें तैनात की गई हैं। स्वयंसेवक के रूप में एनसीसी तथा एनएसएस के विद्यार्थी तैनात रहेंगे। शिविर को सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, खिलाड़ियों, विद्यार्थियों, विभिन्न सामाजिक संगठन के प्रतिनिधियों, व्यापारी संघ, उद्योग संघ तथा अन्य संगठनों के सदस्य स्वैच्छिक रक्तदान करेंगे। रक्तदान से शरीर को किसी भी तरह की हानि नहीं होती है। कलेक्टर ने आम जनता से रक्तदान की अपील करते हुए कहा है कि आपके द्वारा किया गया रक्तदान किसी को जीवनदान देता है।

जिले के 29744 हितग्राहियों को मिलेंगे स्वामित्व योजना के भू-अधिकार पंजीयन प्रमाण पत्र

रीवा। जिले भर में स्वामित्व योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को भू-अधिकार प्रमाण पत्र पंजीयन का लाभ निःशुल्क दिया जा रहा है। भू स्वामियों के मोबाइल नंबर पर व्हाट्सएप के माध्यम से उनके भू-अधिकार पंजीयन प्रमाण पत्र प्राप्त होंगे। इसके लिए सेवा संकल्प अभियान के प्रथम दिन 17 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक जिले भर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान रीवा जिले में कुल 29744 भू-स्वामियों को पंजीयन प्रमाण पत्र दिए जा रहे हैं। सेवा संकल्प अभियान के प्रथम दिन 17 सितम्बर को इनका वर्चुअल माध्यम से वितरण किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर

भू अधिकार पंजीयन के लिए विशेष अभियान 17 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक

नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि जिले की तहसील हुजूर नगर में 667, हुजूर ग्रामीण तहसील में 4138 तथा सेमरिया में 1132 भू-स्वामियों को पंजीयन प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। इसी तरह तहसील सिरमौर में 3024, रायपुर कर्चुलियान में 1138, मनगवां में 1225, त्योंथर में 9098, जवा में 7644 तथा तहसील गुढ़ में 1678 भू स्वामियों को पंजीयन प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। अभियान के लिए अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी को नोडल अधिकारी बनाया गया है। पंजीयन प्रमाण पत्र तैयार करने के लिए पटवारी द्वारा भू स्वामियों की सारा ऐप पर ई केवाईसी की जा रही है। इसके लिए 512 पटवारी तथा 19 राजस्व निरीक्षक तैनात किए गए हैं। जिले में 29 तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार पंजीयन प्रमाण पत्र जारी करेंगे। अभियान से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इस योजना के तहत संपत्तियों की रजिस्ट्री निःशुल्क है। इसमें किसी भी तरह का स्टाम्प शुल्क उपकर या पंजीयन शुल्क नहीं लगेगा।

तीर्थदर्शन योजना के आवेदन जाँच कर ऑनलाइन दर्ज करें : कलेक्टर

रीवा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने कहा है कि जिले के पात्र बुजुर्गों को मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना से निःशुल्क तीर्थयात्रा का अवसर दिया जा रहा है। तीर्थदर्शन ट्रेन 12 अक्टूबर को तिरूपति-श्रीकालहस्ती के लिए रवाना होगी। यह ट्रेन 18 अक्टूबर को वापस रीवा आएगी। तीर्थयात्रा का लाभ लेने के लिए पात्र बुजुर्ग जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय, नगर निगम तथा नगर पंचायत कार्यालय में 23 सितम्बर तक आवेदन कर सकते हैं। आयुक्त नगर निगम, एसडीएम, तहसीलदार, सीएमओ तथा जनपद के सीईओ तीर्थयात्रियों के आवेदन पत्रों की ठीक तरह से जाँच कर लें।

देश की सबसे चौड़ी और प्रदेश की सबसे लंबी है मोहनिया टनल

मोहनिया टनल है रीवा-सीधी यात्रा की बदलाव की कहानी

रीवा। संभागीय मुख्यालय रीवा से सीधी की दूरी 72 किलोमीटर थी। इसमें कैमोर पहाड़ की श्रेणी में कठिन मोहनिया घाटी थी। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 39 में 6 किलोमीटर की मोहनिया घाटी के तीखे मोड़ और ढलान ड्राइवरों के लिए बड़ी चुनौती थे। इसमें हर दिन एक-दो वाहन जरूर खराब होते थे। मोहनिया घाटी सड़क दुर्घटनाओं के लिए भी बदनाम थी। केन्द्र सरकार की एकमुश्त 1004 करोड़ रुपए की लागत से सोलर प्लांट बदवार के पास कैमोर पहाड़ में 6 लेन की शानदार मोहनिया टनल बनाई गई है। इसकी लंबाई 2.82 किलोमीटर है। सुंदर लाइटों से सुसज्जित सुरंग आवागमन को

सुगम करने के साथ यात्रियों का मन मोह लेती है। इस टन के साथ 15.7 किलोमीटर लम्बाई की फोरलेन सीसी रोड का भी निर्माण किया गया है। इसका निर्माण 18 दिसम्बर 2018 को प्रारंभ हुआ। मोहनिया टनल का लोकार्पण 10 दिसम्बर 2022 को केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी तथा तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किया। टनल बन जाने से रीवा से सीधी के बीच की दूरी 7 किलोमीटर कम हो गई। जिस मोहनिया घाटी को पार करने में लगभग 45 मिनट का समय लगता था वह टनल से केवल 5 मिनट में पार हो जाती है। इस विश्व स्तरीय टनल से सड़क दुर्घटनाएं कम हुई हैं। वाहनों और मशीनरी की टूट-फूट लगभग बंद हो गई है। यह सुरंग आवागमन को सुगम बनाने के साथ पर्यावरण एवं वन्य जीवों के संरक्षण में भी सहायक सिद्ध हुई है। सुरंग बन जाने से घाटी से वाहनों का आवागमन बंद हो गया है जिससे वन्य जीवों को स्वतंत्र विचरण का मौका मिल रहा है। मोहनिया टनल प्रदेश की सबसे लंबी और देश की सबसे चौड़ी सड़क टनल है। विकास के इस प्रयास ने रीवा और सीधी के आवागमन में एक घंटे के समय की बचत कराने के साथ यात्रा को सुखद बनाया है। अब सीधी जाना पहले की तरह टेढ़ा नहीं बहुत सीधा हो गया है।

रक्तदान की अपील

रीवा। जनसेवा और सामाजिक सहभागिता की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से संकल्प सेवा अभियान के अंतर्गत आगामी 17 सितंबर को रीवा जिले में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधाकर पांडेय ने जिलेवासियों से अपील की है कि इस जनहितकारी अभियान में अधिक से अधिक संख्या में सहभागी बनकर स्वैच्छिक रक्तदान करें। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक ऐसा मानवीय कार्य है, जिसके माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को समय पर जीवनरक्षक रक्त उपलब्ध कराया जा सकता है।

कलेक्टर ने की रक्तदान की अपील

रीवा। सेवा संकल्प अभियान के प्रथम दिन 17 सितम्बर को कृष्णा राज कपूर आडिटोरियम में विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। इसके साथ-साथ सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में भी रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं के सदस्यों तथा आमजनों से रक्तदान शिविर को सफल बनाने में सहयोग की अपील की है। कलेक्टर ने कहा है कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है। आपके द्वारा किए गए रक्तदान से पीड़ित व्यक्ति को जीवनदान मिलता है। रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। कोई भी 18 वर्ष से अधिक आयु का स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है।

रोजगार मेले में 408 युवाओं हुआ प्राथमिक चयन

रीवा। युवा संगम कार्यक्रम के तहत शिक्षण संस्थाओं में रोजगार मेलों का प्रतिमाह आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के मार्गदर्शन में शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रीवा में वृहद रोजगार मेला आयोजित किया गया। मेले में 707 आवेदकों ने पंजीयन कराया। मेले में शामिल 19 कंपनियों ने 408 युवाओं का प्राथमिक रूप से चयन किया। उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में शामिल कंपनियों आई.टी.सी. लिमिटेड कंपनी बैंगलौर में 15, वेलस्पन कोर्प लि. अंतर गुजरात में 7, वर्धमान यार्नस सतलापुर मण्डीदीप भोपाल में 35, टाटा इलेक्ट्रानिक्स बैंगलोर में 6 तथा प्रगतिशील बायोटेक प्रा. लि. रीवा में 60 युवाओं का प्राथमिक चयन किया गया। मेले में यूनो मिंडा ईवी सीस्टम गुरूग्राम हरियाणा में 25, आई. डब्लू, आई मण्डीदीप भोपाल में 29, देखभाल रीवा में 21, सीआईआई एमसीसी इंदौर में 17 तथा गोकलदास एक्सपोर्टस लि. बैंगलोर में द्वारा 15 युवाओं का चयन किया। वेयरहाउस फ्लिप कार्ट, ब्लिंकिट स्वीगी में 15, एसबीआई क्रेडिट कार्ड में 22, प्रभा बायोप्लान्टस प्रा. लि. रीवा में 21, एक्सलेपिएस वेलनेस प्रा. लि. रीवा में 11, बजाज लाइफ इंश्योरेंस रीवा में 36, प्रतिभा सिंटेक्स प्रा. लि. पीथमपुर इंदौर में 32, विन्ध्या ग्रुप आफ जॉब प्लेसमेंट रीवा में 11, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस रीवा में 15 तथा न्यू जील फैशन वियर प्रा. लि. धार में 15 युवाओं का चयन किया गया।

रक्तदान है महादान : सीईओ जिला पंचायत

रीवा। सेवा संकल्प अभियान के प्रथम दिन 17 सितम्बर को कृष्णा राज कपूर आडिटोरियम रीवा में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा आमजनों से स्वैच्छिक रक्तदान की अपील करते हुए कहा है कि रक्तदान महादान है। यह पीड़ित मानवता की सेवा के लिए धर्म का सबसे बड़ा कार्य है। रक्तदान करने से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है। आपके द्वारा किया गया रक्तदान पीड़ित को जीवनदान देता है। किसी के प्राण बचाने में सहयोग करना सर्वोत्तम कार्य है। हर स्वस्थ व्यक्ति प्रत्येक तीन माह में रक्तदान कर सकता है। विशाल रक्तदान शिविर में बढ़चढ़ कर रक्तदान करके पीड़ित मानवता की सेवा में सहयोग करें।

जिले में 2180 हितग्राहियों को नि :शुल्क रजिस्ट्री का मिलेगा लाभ

सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश

कलेक्टर ने विभागीय योजनाओं एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा की

मऊगंज। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक (टीएल) में 17 सितम्बर से सेवा संकल्प अभियान के साथ-साथ स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना का भी शुभारंभ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सम्पूर्ण प्रदेश में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना को उत्सव के रूप में संचालित करने के निर्देश दिए हैं। इस योजना के माध्यम से प्रदेश भर में 50 लाख लोगों को निःशुल्क रजिस्ट्री का लाभ मिलेगा। जिले में भी 2180 हितग्राहियों को निःशुल्क रजिस्ट्री के माध्यम से उनकी संपत्ति के पुख्ता दस्तावेज प्राप्त होंगे। उन्होंने ने बताया कि मऊगंज जिले में 58 ग्राम पंचायतों में 65 गाँवों में अभियान के तहत शिविर लगाकर पात्र हितग्राहियों की निःशुल्क रजिस्ट्री का कार्य किया जायेगा। इसके लिये जिले के 58 पटवारी, 10 तहसीलदार, पंचायत सचिव, जीआरएस एवं स्थानीय युवा का सहयोग भी लिया जायेगा। अभियान के तहत राजस्व विभाग के अधिकारी ग्राम पंचायत स्तर पर सरपंच, सचिव, पटवारी और रोजगार सहायक मिलकर प्रत्येक गुरूवार, शुक्रवार और शनिवार को निःशुल्क रजिस्ट्री के लिए शिविर लगाएं जाएंगे । कलेक्टर ने आगामी 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने इस संबंध में कहा कि अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों के लिए विभागवार कार्ययोजना तैयार कर समय-सीमा में दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आगामी 18 सितम्बर को सीएफटी भवन उमरीमाधव ग्राम पंचायत हिड़वार, मऊबगदरा, बरयाकला, उमरीमाधव, देवरी शिवमंगल सिंह, बरहटा, भाठी सेंगर, बहेराडाबर, रकरी, दुबगवां दुबान, मुदरिया चौबान पंचायतें शामिल होंगी।अधिकारी कैम्प के पूर्व ग्राम से जुड़ने वाले गांवों में जाकर ग्रामीणों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुने।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्म- दिन पर जगमगाएगा मऊगंज

मऊगंज। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों की सार्वजनिक सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण में योगदान के सम्मान में उनके जन्मदिवस 17 सितंबर की शाम 7 बजे जिले में भव्य दीप प्रज्ज्वगलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर जिले भर में 12 लाख 51 हजार से अधिक दीप प्रज्ज्वभलित कर प्रधानमंत्री श्री मोदी के गरीबों, किसानों और युवाओं के कल्याण तथा विकास के लिए किए गए कार्यों और सुशासन के प्रति जन-आभार व्यक्त किया जाएगा। कलेक्टसर संजय कुमार जैन ने बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'सेवा से संकल्प अभियान' के अंतर्गत जिले में विभिन्न जनसेवा, जागरूकता, सहभागिता एवं रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। संकल्प सेवा अभियान के दौरान 17 सितंबर दिन गुरुवार को शाम 7 बजे जिले की ग्राम पंचायतों व नगरीय निकाय के वार्डों के अलावा सभी में प्रमुख स्थंलों सहित हितग्राही मूलक योजनाओं के हितग्राही भी अपने घर-आंगन में आशीर्वाद का दीया जलाएंगे। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर को जिला के देवतालाब मंदिर और शिव मंदिर हाटा में 51 हजार दीपक प्रज्ज्वलित किए जाएगे । इसके साथ की कलेक्ट्रेट परिसर में 11000 दीपक तथा 870 शासकीय विद्यालय

आज आशीर्वाद का दीप जलाने से होगा सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ

रीवा। शासन के निर्देशों के अनुरूप जिले में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक मुख्यमंत्री सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। अभियान से जुड़े बिन्दुओं पर कार्यवाही करने के लिए नोडल अधिकारी तैनात कर दिए गए हैं। अभियान का तिथिवार कार्यक्रम भी निर्धारित कर दिया गया है। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने अभियान के संबंध में अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि सभी नोडल अधिकारी उन्हें सौंपे गए दायित्व को पूरा करने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। अभियान में भागीदारी निभाने के लिए उप मुख्यमंत्री, प्रभारी मंत्री, सांसद, विधायकगण, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्य, विन्ध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महापौर, नगर परिषद अध्यक्ष, पार्षदगण तथा अन्य जनप्रतिनिधियों से अनुरोध करें। कलेक्टर ने कहा है कि अभियान के प्रथम दिन 17 सितम्बर को आशीर्वाद का दीपक जलाया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम रिवर फ्रंट में पचमठा घाट में होगा। इसमें 51 हजार दीप जलाए जाएंगे। इसके साथ-साथ जिले के 10 प्रमुख निर्माण स्थलों पर भी एक-एक हजार दीप जलाए जाएंगे। शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राही अपने घरों में शाम में दीपक जलाएंगे। इसी दिन जिले भर में वृहद रक्तदान शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। अभियान में 17 सितम्बर से 7 अक्टूबर तक सभी शिक्षण संस्थानों में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता आयोजित कराएं। इसमें शासन की कल्याणकारी योजनाओं तथा विकसित भारत की संकल्पना विषय पर केन्द्रित करें। इसमें नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र के लिए तिथिवार कार्यक्रम तय कर दिए गए हैं। इन तिथियों में लोक कलाकार नुक्कड़ नाटक के माध्यम से शासन की उपलब्धियों और विकास कार्यों की जानकारी देंगे। कलेक्टर ने कहा है कि अभियान के दौरान 25 सितम्बर से 7 अक्टूबर तक सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों में आंगन मिलन उत्सव मनाया जाएगा। इसमें बच्चों और महिलाओं को स्वच्छता तथा स्वास्थ्य रक्षा के संबंध में जागरूक किया जाएगा। टीकाकरण, पोषण स्तर में सुधार तथा सामुदायिक सेवा से लाभान्वितों की सफलता की कहानियाँ भी एकत्रित की जाएंगी। इसके लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास आवश्यक प्रबंध करें। विकास कार्यों और उपलब्धियों से जुड़ी कहानी बदलाव की तैयार की जाएगी। इसके लिए जनसम्पर्क विभाग को नोडल बनाया गया है। सभी अधिकारी विभागीय उपलब्धियों तथा लाभान्वित हितग्राहियों की 10 वीडियो बाइट एवं फोटो के साथ सफलता की कहानी जनसम्पर्क कार्यालय को निरंतर उपलब्ध कराएं। 10 अक्टूबर को ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय में विशाल ह्यूमन रंगोली बनाई जाएगी। इसी तरह 7 अक्टूबर को साइबर सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के दौरान 2 अक्टूबर को सभी कार्यालयों और प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में साफ-सफाई का विशेष अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा से जुड़े जागरूकता कार्यक्रम तथा स्वास्थ्य मेले का भी आयोजन किया जाएगा।

आशीर्वाद के दीप से जगमग होगा सेवा संकल्प अभियान

पचमठा बीहर तट पर आज जलेंगे 51 हजार आशीर्वाद के दीप

रीवा। सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ 17 सितम्बर को हो रहा है। अभियान जिले भर में 17 अक्टूबर तक जारी रहेगा। अभियान के प्रथम दिन जिले भर में आशीर्वाद के हजारों दीप जलाए जाएंगे। मुख्य कार्यक्रम पचमठा में बीहर तट में आयोजित किया जा रहा है। इसमें जिला प्रशासन, नगर निगम तथा जन सहयोग से शाम 7 बजे 51 हजार आशीर्वाद के दीप जलाए जाएंगे। इस कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, सांसद श्री जनार्दन मिश्र, अन्य जन प्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में आम जन शामिल होंगे। इस कार्यक्रम के लिए उपायुक्त नगर निगम रीवा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि पचमठा के साथ-साथ जिले के 10 अन्य प्रमुख निर्माण स्थलों पर भी एक-एक हजार आशीर्वाद के दीप जलाए जाएंगे।

नरेन्द्र मोदी
जन सेवा से देश सेवा
25 साल
सेवा संकल्प अभियान

सेवा के 25 वर्ष

सुशासन । गरीब कल्याण । राष्ट्र निर्माण

आशीर्वाद का दीया

जिसने जीवन सँवारा, उसे नमन हमारा

एक दीया

आशीर्वाद का, विकसित भारत के संकल्प का,
25 वर्षों की सेवा के सम्मान का

सेवा को साधना मानने वाले

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी

के जन्मदिवस के अवसर पर जलाएं आशीर्वाद का दीया

17 सितंबर 2026 सायं 07:00 बजे

D-11115/26 **आइए, एक साथ दीया जलाकर इस विशेष अवसर के सहभागी बनें।**

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833